www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 84 || लखनऊ
बुधवार
24 जून 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:13
सूर्यास्तः 07:03
अधिकतमः 40°00
न्यूनतमः 30°00

पेज 07

विशेष समाचार: लापरवाही की लपटों में जलती ... >> पेज 04 | आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट... >> पेज 06 | 'लॉक अप 2' शुरू होने से पहले ...

हाईकोर्ट बोला- जरूरत पड़ने पर जांच होगी, भवानीपुर में शुभेंदु 15,000 वोटों से जीते थे

ममता जो सीट हारीं, वहां ईवीएम-वीवीपीएटी सुरक्षित रखने का आदेश

कोर्ट ने कहा, जरूरत पड़ने पर इन सभी साक्ष्यों की जांच होगी। अदालत की अनुमति के बिना इन्हें न तो मिटाया जाएगा, न बदला जाएगा, न नष्ट किया जाएगा और न ही इनके साथ किसी तरह की छेड़छाड़ की जाएगी।

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। भवानीपुर विधानसभा सीट की मतगणना में कथित अनियमितताओं के आरोपों पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण आदेश जारी किया। अदालत ने चुनाव से जुड़े सभी अहम साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM), वीवीपैट (VVPAT), मतगणना से संबंधित दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस गौरांग कांत ने कहा कि जांच और आगे की न्यायिक प्रक्रिया को देखते हुए सभी साक्ष्यों को संरक्षित रखना आवश्यक है, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी जांच की जा सके। हाईकोर्ट ने मतगणना केंद्र बनाए गए शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मतगणना प्रक्रिया से जुड़े हर महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को संरक्षित रखा जाए, जिससे मामले के तथ्यों की निष्पक्ष जांच संभव हो सके। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले से जुड़े सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने का निर्देश दिया। इसके तहत विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, उनके सलाहकार सुब्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को भी मामले में पक्षकार बनाया जाएगा। भवानीपुर विधानसभा सीट पर हुए चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,105 वोटों के अंतर से पराजित किया था।

ममता बनर्जी ने 16 मई को कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचकर अपनी हार के खिलाफ याचिका लगाई थी।

16 जून: ममता ने अपनी हार को चुनौती दी, कहा- मेरे साथ मारपीट हुई

ममता बनर्जी ने 16 जून को भवानीपुर सीट के चुनावी नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। ममता खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं और रिजल्ट की वैधता की जांच करने की मांग की। उन्होंने याचिका में कहा कि चुनाव गलत तरीके से हुआ है। 12 राउंड की काउंटिंग के बाद इलेक्शन एजेंट और मुझे पीटा गया और बाहर कर दिया गया। भवानीपुर सीट से ममता तीन बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और अपने साथ मारपीट के आरोप भी लगाए थे।

3 मई: रिजल्ट से एक दिन पहले ममता 4 घंटे स्ट्रॉन्गरूम में रहीं

4 मई को बंगाल विधानसभा के रिजल्ट आए थे। एक दिन पहले 3 मई को काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ था। TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि BJP के झंडे वाली कार को बिना जांच के भवानीपुर के स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई। इस दौरान ममता करीब 4 घंटे स्ट्रॉन्गरूम में रहीं।

4 मई: ममता बोलीं थीं- मुझे धक्का दिया, मारा-पीटा

ममता 4 मई को शेखावाटी मेमोरियल स्कूल में काउंटिंग सेंटर पर पहुंची थी। कुछ देर वहां रहने के बाद उन्होंने बाहर आकर कहा था कि उनके पोलिंग एजेंट को जबरन बाहर निकाला गया। ममता का आरोप था कि उन्हें धक्का दिया गया और मारा पीटा गया। साथ ही काउंटिंग सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा था।

भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने दावा किया कि केंद्रीय बलों और भाजपा के दबाव में काम हो रहा है।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा था- ममता ड्रामेबाजी कर रहीं

शुभेंदु अधिकारी ने ममता के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि ममता ड्रामेबाजी कर रही हैं और इससे चुनाव परिणाम नहीं बदलने वाला। शुभेंदु ने कहा था कि ममता हार की आशंका से परेशान हैं और ईवीएम से जुड़े आरोप निराधार हैं।

> मतगणना के दिन ही ममता बनर्जी ने कई सीटों पर मतगणना प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि राज्य की कई विधानसभा सीटों पर जानबूझकर मतगणना को रोका गया और परिणामों को प्रभावित करने की कोशिश की गई। ममता बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों मिलकर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि केंद्रीय सुरक्षा बलों और भाजपा के दबाव में काम किया जा रहा है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

2021: नंदीग्राम में शुभेंदु से हार के बाद भी ममता हाईकोर्ट पहुंचीं थीं

शुभेंदु अधिकारी ने 2021 में नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को करीब 1,956 वोटों से हराया था। 17 जून 2021 को ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। इसमें नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी की जीत को चुनौती दी। रिजल्ट के बाद टीएमसी ने रीकाउंटिंग की मांग की थी, लेकिन चुनाव आयोग ने इसे स्वीकार नहीं किया था।

बंगाल में भाजपा पहली बार जीती

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित हुए थे। भाजपा ने 208 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था, जबकि तृणमूल कांग्रेस (TMC) को 80 सीटें मिली थीं। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री बने थे।

नीति आयोग बोला- तेल-गैस सिर्फ एक जगह से न खरीदें, अमेरिका से ट्रेड डील जल्द होगी

दवाओं के कच्चे माल के लिए चीन पर 65% निर्भर

नीति आयोग के सुझाव: पेटेंट और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की जरूरत

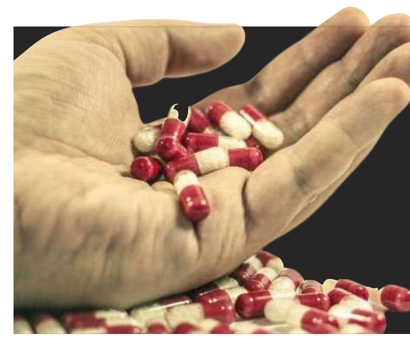

- नीति आयोग ने इस निर्भरता को कम करने और भारतीय फार्मा सेक्टर को मजबूत करने के लिए कई अहम सुझाव दिए हैं।
- भारतीय कंपनियों को अब सिर्फ सस्ती जेनेरिक दवाओं तक सीमित न रहकर ज्यादा कीमत और ऊंचे मार्जिन वाले हाई-वैल्यू फार्मास्युटिकल सेगमेंट में उतरना चाहिए।
- कॉलेजों/यूनिवर्सिटीज में होने वाली रिसर्च को सीधे फैक्ट्रियों तक पहुंचाने का सिस्टम मजबूत करना होगा, ताकि नए रिसर्च से दवाएं और प्रॉडक्ट्स तेजी से बाजार में आ सकें।
- दवा और मेडिकल क्षेत्र (लाइफ-साइंसेज) में नई खोजों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नियमों और मंजूरियों की प्रक्रिया को एकदम साफ, आसान और पारदर्शी बनाना होगा।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने मंगलवार को दवा उद्योग और वैश्विक व्यापार पर अपनी ट्रेड वॉच क्वार्टरली रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दवाओं के कच्चे माल के लिए 65% तक चीन पर निर्भर है। वहीं, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि मिडिल ईस्ट संकट से यह सीख मिली है कि किसी एक देश या क्षेत्र पर ज्यादा निर्भर नहीं रहना चाहिए। लाहिड़ी ने कहा कि भारत और अमेरिका जल्द ही एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे और इस पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नीति आयोग ने रिपोर्ट में सुझाव भी दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

भारत में नई दवाओं पर रिसर्च का खर्च महंगा

लाहिड़ी ने कहा कि भारत में पर्यावरण से जुड़े नियम अब काफी कड़े हो गए हैं। इस वजह से कंपनियों के लिए फैक्ट्रियों में दवाएं बनाने और नई दवाओं पर रिसर्च (R&D) करने का खर्च बहुत बढ़ गया है।

सीएम योगी सख्त, लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी को किया तलब

अवैध निर्माणों पर मांगी विस्तृत रिपोर्ट

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अलीगंज कोचिंग अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध निर्माणों और नियमों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को मंगलवार शाम पांच बजे तलब कर कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने यह भी पूछा गया है कि नोटिस जारी होने के बाद कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई और कितने मामलों में नियमों का उल्लंघन जारी रहा।

>> (शेष पेज 06 पर)

- अवैध निर्माणों के खिलाफ की गई ध्वस्तीकरण कार्रवाई का ब्यौरा मांगा।
- कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई हुई, कितने में नियमों का उल्लंघन जारी रहा।
- एसआईटी ने घटनास्थल से वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए।

> बताया जा रहा है कि भवन निर्माण और उपयोग से जुड़े कई नियमों का उल्लंघन किया गया था। इस भयावह हादसे में कई पालतू जानवर भी आग की चपेट में आकर जिंदा जल गए।

फास्ट न्यूज

गुजरात में आप विधायक को 7 साल की जेल

नर्मदा (गुजरात)। गुजरात में डेडियापाड़ा सीट से आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावा की विधानसभा सदस्यता खत्म हो गई है। नर्मदा जिले की कोर्ट का फैसला आने के बाद गुजरात के डिप्टी स्पीकर पूर्णेश मोदी ने इसकी जानकारी दी। नर्मदा जिले की एक कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावा, उनकी पत्नी और 7 अन्य को 7-7 साल जेल की सजा सुनाई है।

टीएमसी को पार्टी प्रमुख बताया

कोलकाता। असली तृणमूल कांग्रेस (TMC) को लेकर ममता बनर्जी और बागी गुट में खींचतान तेज हो गई है। बागी गुट के दावे के एक दिन बाद मंगलवार को TMC ने चुनाव आयोग को पार्टी के पदाधिकारियों और नेशनल वर्किंग कमेटी की नई लिस्ट भेजी है। लिस्ट में ममता बनर्जी को पार्टी का अध्यक्ष बताया गया है। सुब्रत बक्शी को उपाध्यक्ष और अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव बताया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग को भेजी गई लिस्ट 20 जून तक की संगठनात्मक स्थिति के आधार पर तैयार की गई है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को कुरियन के इस्तीफे की जानकारी दी।
प्रेस रिलीज में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा स्वीकार किया है। पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर थे।

ट्रम्प की धमकी से ईरान नाराज, अमेरिका से बातचीत रोकी

कहा- दबाव में बात नहीं करेंगे, रिकी अधिकारियों के साथ हाथ भी नहीं मिलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। स्विट्जरलैंड में 21 जून को ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत ट्रम्प की धमकी की वजह से खत्म हो गई। ईरानी वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा, करीब 80 मिनट की बातचीत के बाद मुझे पता चला कि ट्रम्प ने हमारे राष्ट्रपति, हमारी वार्ता टीम और हमारे इलाके को लेकर धमकी भरे बयान दिए हैं। गालिबाफ ने कहा कि इसके बाद ईरानी डेलिगेशन ने बैठक खत्म कर दी और वहां से चला गया। उन्होंने बताया कि बाद में अमेरिकी पक्ष ने मध्यस्थों के जरिए एक और बैठक करने की इच्छा जताई, लेकिन ईरान ने इसे स्वीकार नहीं किया। ईरानी टीम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ हाथ मिलाने और संयुक्त फोटो सत्र में शामिल होने से इनकार कर दिया। इसे लेकर जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा, लोग सोचते हैं कि केवल नेतन्याहू ही बातचीत को नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन कई बार ट्रम्प के अचानक और सख्त बयानों से भी तनाव पैदा हो जाता है दरअसल, जब अमेरिका-ईरान के प्रतिनिधि बातचीत कर रहे थे, तभी ट्रम्प ने ईरान को धमकी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था।

क्रिकेटर रोहित शर्मा पद्मश्री से सम्मानित

सिंगर अलका याग्निक ने पद्मभूषण लेने से पहले मोदी के पैर छुए, 65 हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कारों के दूसरे चरण के समारोह में 65 हस्तियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री पुरस्कार दिए गए। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पूर्व सुप्रीम कोर्ट के जज केटी थॉमस को जनसेवा और वरिष्ठ मलयालम पत्रकार पी. नारायणन को साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में गायिका अलका याग्निक, अभिनेता ममूटी, क्रिकेटर रोहित शर्मा और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे। इस साल कुल 131 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इससे पहले पहले चरण में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, अभिनेता धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों को सम्मानित किया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

कुश्ती के लिए रूस के कोच व्लादिमीर को मरणोपरांत पद्मश्री

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल के क्षेत्र में व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली (मरणोपरांत) को पद्मश्री से सम्मानित किया। वे फ्रीस्टाइल रेसलिंग के दिग्गज कोच थे और उन्होंने ग्लोबल रेसलिंग कम्युनिटी पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने भारतीय रेसलिंग टीम के कोच के तौर पर काम किया। उन्होंने सुशील कुमार, योगेश्वर दत्त और बजरंग पुनिया जैसे ओलंपिक मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को गाइड किया और भारत को रेसलिंग में ग्लोबल पावरहाउस बनाने में मदद की।

हॉकी प्लेयर सविता पूनिया को पद्मश्री अवॉर्ड मिला

पद्मश्री प्राप्त करने वाली हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया भारतीय महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम की पूर्व कप्तान, मौजूदा गोलकीपर हैं। इन्हें भारतीय महिला हॉकी की 'द ग्रेट वॉल' के नाम से जाना जाता है।

लगातार तीन बार FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। वे कई पीढ़ियों की महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं।

संगठन: सीजेपी पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा था

कॉकरोच जनता पार्टी दहशतगर्तों की बी टीम : धर्मेंद्र प्रधान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को दहशतगर्तों की B टीम बताया। इंटरव्यू में उन्होंने कहा- जिन्हें डेमोक्रेसी में रिजेक्ट कर दिया गया था, वे भेष बदलकर आए हैं और अब सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं। उनकी पहचान हो गई है। दरअसल, सोशल मीडिया संगठन CJP पिछले 4 दिन से दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहा है। फाउंडर अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रधान के इंटरव्यू की खास बातें...

- **शिक्षा माफियाओं को घुटने पर लाएंगे-** कुछ लोग जानबूझकर शिक्षा को डिरेल करने की कोशिश कर रहे हैं। फिर चाहे वो कोचिंग सेंटर वाले हों या फिर शिक्षा माफिया हों, इन पर नजर रखी जा रही है। हम इन्हें घुटने पर लाएंगे, नहीं तो हम देश के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते हैं।
- **स्टूडेंट्स के सुसाइड पर राजनीति-** सुसाइड करने वाले बच्चों की फोटो लगाकर राजनीति करना कांग्रेस का निम्न स्तर का काम है। परीक्षा से 2-3 दिन पहले सुसाइड करने वाले बच्चों की लिस्ट निकालते हैं, इससे घिनौना कम कुछ नहीं हो सकता है। राहुल गांधी या कांग्रेस की तरफ से सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए एक भी पॉजिटिव सुझाव नहीं मिला है।
- **CBSE पोर्टल पर 38 लाख साइबर हमले-** सीबीएसई री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर दो घंटे के अंदर 38 लाख साइबर हमले हुए थे। कुछ लोग अराजकता फैलाना चाहते हैं। देश के पास पर्याप्त क्षमता है। हमें कई अच्छे सुझाव मिले हैं। देश को नया एजुकेशन सिस्टम अपनाना होगा। हम इस बार से काम पर लग गए हैं, अगले साल नीट की परीक्षा सीबीटी मोड में होगी।
- **रक्षक शिक्षक ही भक्षक बने-** हमारे देश में जो मेधावी विद्यार्थी हैं, उन्होंने अच्छा किया है और सभी के अच्छे नंबर आने वाले हैं। एनटीए ने जिन पर भरोसा किया था, ऐसे कुछ शिक्षकों ने अपना दायित्व नहीं निभाया, रक्षक ही भक्षक बन गए।

पुणे में सोनम रघुवंशी जैसा केस

बिजनेसमैन की बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर को 400 फीट गहरी खाई में फेंका

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। पुणे में इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड से मिलती-जुलती वारदात सामने आई है। यहां 26 साल के केतन विशाल अग्रवाल की उनकी मंगेतर सिया गोयल (20) और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) ने मिलकर हत्या कर दी। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने केतन को लोहागढ़ किले से करीब 400 फीट गहरी खाई में धक्का दिया और इसे हादसा बताने की कोशिश की। केतन 18 जून को अपने मंगेतर सिया के साथ पुणे के लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। बाद में उनका शव खाई से मिला। केतन पुणे जिले के गहुंजे के रहने वाले थे और परिवार के रियल एस्टेट कंपनी में डायरेक्टर थे। वहीं सिया पुणे के एक बड़े मसाला व्यापारी की बेटी है। इस साल नवंबर में राजस्थान के उदयपुर स्थित एक शाही पैलेस में दोनों की शादी होने वाली थी। यह शादी दोनों के परिवारों ने तय की थी। घर में तैयारियां भी शुरू थीं। मेहमानों के लिए दो चार्टर्ड प्लेन की व्यवस्था भी की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी पर परिवार करीब 17 करोड़ खर्च करने वाला था। महाबलेश्वर में बर्थडे पार्टी, लोहागढ़ में प्री-वेडिंग शूट का प्लान था जांच में सामने आया कि सिया और उसके बॉयफ्रेंड चेतन ने 14 जून को ही लोहागढ़ किले पर केतन को मारने की योजना बनाई थी। आरोप है कि दोनों ने सांप का डर पैदा कर उसे खाई में धकेलने की कोशिश की, लेकिन प्लानिंग फेल हो गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

> मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केतन और सिया शादी से पहले बाली घूमने जाने वाले थे। सारी बुकिंग भी हो गई थी लेकिन सिया ने पासपोर्ट खोने की बात कहकर ट्रिप कैंसिल करा दी। केतन ने सिया के बर्थडे के लिए महाबलेश्वर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में 40 कमरे बुक कराए थे। लोहागढ़ किले पर प्री-वेडिंग फोटोशूट की भी तैयारी चल रही थी।

यूट्यूब लाइव संवाद, एसीएस पार्थ सारथी सेन शर्मा ने दिया 'शिक्षक सर्वोपरि' का मंत्र

'शिक्षक की निष्ठा से सफल होगा निपुण भारत मिशन'

संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

'कक्षा-कक्ष ही परिवर्तन की प्रयोगशाला, शिक्षक की निष्ठा से ही सफल होगा निपुण भारत मिशन'
5 लाख की कैशलेस चिकित्सा, मानदेय वृद्धि और 21 हजार नई भर्तियों की घोषणा से शिक्षकों में उत्साह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार करते हुए अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को यूट्यूब लाइव सेशन के माध्यम से प्रदेश के लाखों शिक्षकों से सीधा संवाद किया। इस संवाद में परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षा विभाग से जुड़े हजारों कार्मिक शामिल हुए। अपने संबोधन की शुरुआत में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का सबसे बड़ा आधार शिक्षक हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल भवन, फर्नीचर या स्मार्ट क्लास बनाना नहीं है। असली लक्ष्य हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। इसके लिए विद्यालयों में सीखने का सकारात्मक वातावरण बनाना और प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता को पहचानकर उसे विकसित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की पूरी व्यवस्था का केंद्रबिंदु कक्षा-कक्ष है। यहीं पर बच्चे का ज्ञान, व्यक्तित्व, सामाजिक व्यवहार और भविष्य आकार लेता है।

तीन से छह वर्ष की आयु को बच्चों के मस्तिष्क विकास का 'गोल्डन पीरियड'

अपर मुख्य सचिव ने तीन से छह वर्ष की आयु को बच्चों के मस्तिष्क विकास का 'गोल्डन पीरियड' बताया। उन्होंने कहा कि यदि इस आयु में बच्चों को उचित पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और सकारात्मक वातावरण मिले तो आगे चलकर उनकी सीखने की क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने 'ग्राम स्तरीय टीम' का मॉडल प्रस्तुत करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहू, एएनएम, शिक्षक और ग्राम प्रधान यदि एक टीम के रूप में काम करें तो विद्यालयों की स्थिति और बच्चों का शैक्षिक स्तर दोनों में क्रांतिकारी सुधार आएगा। यह समन्वय ग्रामीण शिक्षा के लिए गेमचेंजर साबित होगा।

शासन स्तर पर कितनी भी योजनाएं बना ली जाएं, कितनी भी निगरानी कर ली जाए, लेकिन जमीनी परिवर्तन केवल शिक्षक के माध्यम से ही संभव है। इसलिए शिक्षा सुधार में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है। शिक्षकों के हितों पर विस्तार से बोलते हुए अपर मुख्य सचिव ने कई बड़ी घोषणाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षकों एवं उनके परिवारों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा शुरू की गई है।

शिक्षक अपने विद्यालय और अपने बच्चों के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें

शिक्षकों को उनके दायित्व का बोध कराते हुए अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हर शिक्षक को यह याद रखना चाहिए कि उसने शिक्षा का क्षेत्र केवल नौकरी के लिए नहीं चुना है। यह समाज और राष्ट्र निर्माण का पवित्र मिशन है। उन्होंने आह्वान किया कि शिक्षक अपने विद्यालय और अपने बच्चों के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक पूरी ईमानदारी और लगन से कक्षा में पढ़ाएगा, तभी निपुण भारत मिशन का 2026-27 तक हर बच्चे को निपुण बनाने का लक्ष्य हासिल होगा। शिक्षा की सभी योजनाओं की सफलता का आधार शिक्षक की कक्षा में मौजूदगी और उसकी प्रतिबद्धता है।

बिजली चोरी अभियान में 10 पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

कटिया डालकर चला रहे थे एसी-कूलर, 30 किलोवाट लोड पकड़ा गया

लखनऊ। लखनऊ में बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान जारी है। लेसा और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने अमीनाबाद, न्यू फरीदीपुर, जानकीपुरम, कमता, गोविंद विहार और राधापुरम सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग किया। इस दौरान लोग धड़ल्ले से कटिया लगाकर एसी-कूलर चलाते पाये गए।

चेकिंग टीम के पहुंचते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में लोग कटिया हटाने लगे, लेकिन बिजलीकर्मियों ने खंभे से सभी अवैध कनेक्शन काट दिए। जांच में करीब 30 किलोवाट लोड बिजली चोरी पकड़ी गई। विभाग ने 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

अमौसी जोन के न्यू फरीदीपुर में 62 कनेक्शनों की जांच की गई। यहां मीटर बाईपास कर चोरी कर रहे जावेद (5.99 किलोवाट), बाबूलाल (2.49 किलोवाट), किरन अवस्थी (3.00 किलोवाट) और राकेश निषाद (2.21 किलोवाट) के खिलाफ धारा-135 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जानकीपुरम जोन के गोडियन का पुरवा मोहल्ले में 52 परिसरों की जांच में 3 उपभोक्ता सीधे केबल जोड़कर कुल 12.85 किलोवाट की चोरी करते मिले। इनमें मंजू सिंह, वीरेंद्र कुमार और हरिराम के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई।

फास्ट न्यूज

27 करोड़ के ऋषभ पंत ने छोड़ी एलएसजी

लखनऊ। IPL इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स (DC) में वापसी हो गई है, जबकि स्पिनर कुलदीप यादव अब लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के लिए खेलेंगे। दोनों टीमों के बीच यह ट्रेड हुआ है। इस IPL के बाद पंत ने लखनऊ की कप्तानी छोड़ दी थी। लखनऊ ने IPL 2025 के ऑक्शन में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था, जो IPL इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। अब ट्रेड के बाद वे 15 करोड़ रुपए की फीस पर दिल्ली से जुड़े हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजी प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने UG प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। 6 से 12 जुलाई तक UG प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय के प्रवेश कार्यालय की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार BJMC और B.El.Ed. की परीक्षा 6 जुलाई को होगी। वहीं बी.कॉम (ऑनर्स), बी.कॉम, बीबीए, बीसीए, एलएलबी इंटीग्रेटेड, बीएससी (एग्रीकल्चर), बीएससी (बायो) और बीएससी (मैथ्स) समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं अलग-अलग तिथियों और पालियों में आयोजित की जाएंगी।

लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा में हुआ आग का मातम

लखनऊ। लखनऊ में मोहर्रम के छठे दिन बड़ा इमामबाड़ा में आग का मातम हुआ। लगभग 30 मिनट तक लोग धधकते अंगारों पर चले। इसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद आग पर 'या हुसैन' का नारा लगाते हुए चलते नजर आए। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने मातम करने वाले दस्ते को सलामी दी। मौलाना ने कहा बड़ा इमामबाड़ा में 151 साल से आग का मातम हो रहा है।

उत्तर प्रदेश में 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान

'सेंसस टाउन रिपोर्ट' के आधार पर तय होंगे लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

यूपी में पीएम स्वनिधि योजना के लिए एक महीने का विशेष अभियान शुरू सीडीओ करेंगे अभियान की निगरानी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाई जा रही 'पीएम स्वनिधि योजना' की रफ्तार बढ़ाने जा रही है। इसके तहत पूरे प्रदेश में 1 जून से 30 जून 2026 तक एक माह का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम मे ग्राम्य विकास विभाग के आयुक्त श्री जी.एस. प्रियदर्शी द्वारा राज्य के सभी संबंधित मुख्य विकास अधिकारियों को एक आधिकारिक पत्र जारी कर इस अभियान को युद्धस्तर पर सफल बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने जिलों के खण्ड विकास अधिकारियों को अपने स्तर से निर्देशित करें। इसका मुख्य उद्देश्य 'सेंसस टाउन रिपोर्ट' और विभाग द्वारा भेजी गई सूची के आधार पर तय लक्ष्यों को समय से पूरा करना है। योजना के दायरे में आने वाले सभी पात्र लाभार्थियों की पहचान करना, उनसे आवश्यक समन्वय स्थापित करना और समयबद्ध तरीके से प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। निर्देश दिये गये हैं तय लक्ष्यों को पूरा करते हुए प्रगति रिपोर्ट से ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय को भी लगातार अवगत कराया जाए, ताकि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई न हो।

एक ही सीढ़ी से आने-जाने का रास्ता, आवासीय बिल्डिंग को कॉमर्शियल बनाया था

कोचिंग में ऑटोमैटिक गेट ने ली 15 जानें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कोचिंग अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। मरने वालों में ज्यादातर स्टूडेंट थे। ये लोग गेमिंग और एनिमेशन सीखने आते थे। जिस वक्त हादसा हुआ, सभी स्टूडेंट लंच के बाद क्लास में थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था।

वहीं, कोचिंग सेंटर में मुख्य गेट भी ऑटोमैटिक था। यह थंब इम्प्रेशन से खुलता और बंद होता था। एक स्टूडेंट ने बताया कि आग लगने की वजह थंब इंप्रेशन वाला गेट लॉक हो गया। इसके चलते ज्यादातर बच्चे अंदर ही फंस गए। इमरजेंसी एग्जिट का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। जबकि, आग लगने के कुछ ही मिनटों में पूरी इमारत धुएं से भर गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में लगे स्प्लिट एसी का कंप्रेसर फटने से धमाका हुआ।

दो तस्वीरें- ऊपर बिल्डिंग में आग लगने के पहले की और नीचे आग लगने के बाद की है।

हादसे के वक्त करीब 30 स्टूडेंट और स्टाफ अंदर था। 8-10 स्टूडेंट इंटरनेट-डीटीएच का तार और पाइप पकड़कर बाहर निकल आए, जबकि 3-4 स्टूडेंट दूसरी मंजिल से नीचे कूद गए। अभी भी 5-6 घायल स्टूडेंट केजीएमयू में एडमिट हैं।

आग में झुलसे युवक को लोग उठाकर गाड़ी तक ले गए, फिर उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

बायोमेट्रिक सिस्टम आग की वजह से लॉक हो गया

हादसे में घायल एक छात्र के दोस्त यश ने बताया- ऊपर आने-जाने के लिए केवल एक ही एंट्री-एग्जिट पॉइंट था। वहां बायोमेट्रिक सिस्टम लगा था। आग लगने के दौरान बायोमेट्रिक सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। इसकी वजह से अंदर मौजूद बच्चे समय रहते गेट नहीं खोल पाए।

जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग में आने-जाने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता था। निकलने की सीढ़ी भी एक ही थी। इमरजेंसी में बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। इतना ही नहीं, छत पर जाने वाले रास्ते का दरवाजा भी लॉक था। यही वजह है कि आग और धुएं के बीच अफरा-तफरी में कई बच्चे समय रहते बाहर नहीं निकल पाए।

रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक की है बिल्डिंग

जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर बनी है। वीरेंद्र शुक्ला रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक हैं। यह कॉलेज रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (RITM) के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 2008 में हुई थी। कॉलेज डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (AKTU) से संबद्ध है और इसे AICTE की मान्यता भी मिली हुई है। जांच में सामने आया है कि इमारत का नक्शा धीरेंद्र और सुरेंद्र शुक्ला के नाम पर पास हुआ था। शुरुआत में यह आवासीय भवन था, लेकिन 2014 में इसे व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई। इमारत में ऑनलाइन एनिमेशन और गेमिंग कोचिंग सेंटर चल रहा था। गर्मी की छुट्टियों के कारण यहां बड़ी संख्या में छात्रों ने दाखिला लिया था। हादसे के बाद प्रशासन ने तत्कालीन अधिकारियों और इंजीनियरों की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। 16 लोगों की सूची तैयार की गई है, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभी डीएम को सर्वे और कार्रवाई के निर्देश, पंजीकृत संस्थानों का भी होगा सुरक्षा ऑडिट

छात्रों की सुरक्षा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : योगेंद्र उपाध्याय

तमसा संकेत, संवाददाता

अवैध कोचिंग संस्थानों पर चलेगा विशेष अभियान, योगी सरकार की सख्ती

पंजीकृत संस्थानों का भी सुरक्षा मानकों के अनुरूप निरीक्षण कराया जाएगा। इसमें भवन व्यवस्था, अग्निशमन, विद्युत सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच शामिल होगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेशभर में संचालित कोचिंग संस्थानों के विनियमन को प्रभावी बनाने तथा अवैध रूप से चल रहे कोचिंग सेंटरों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जनपदों में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वेक्षण कर सूची तैयार करें। जो संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उच्च शिक्षा मंत्री उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। विद्यार्थियों और अभिभावकों के हित सर्वोपरि हैं। सभी संबंधित विभागों के समन्वय से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रदेश में संचालित प्रत्येक कोचिंग संस्थान निर्धारित मानकों का पालन करे। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और विश्वसनीय शैक्षिक वातावरण तैयार किया जा रहा है। शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित शिक्षण वातावरण मिले और कोचिंग संस्थानों में निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो। इस संबंध में विशेष सचिव उच्च शिक्षा निधि श्रीवास्तव द्वारा पत्र भी जारी किया गया है।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम विषयक विधिक जागरूकता शिविर

शिविर का संचालन पराविधिक स्वयं सेवक अनीता विश्वकर्मा एवं कुसुम कश्यप द्वारा किया गया

तमसा संकत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा माननीय श्री मलखान सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के मार्गदर्शन एवं श्री कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इन्दौराबाग, तहसील बख्शी का तालाब लखनऊ में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (पीओएसएच अधिनियम, 2013) की रोकथाम, महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वच्छता तथा सैनिटरी नैपकिन से संबंधित कानूनी अधिकारों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का संचालन पराविधिक स्वयं सेवक अनीता विश्वकर्मा एवं कुसुम कश्यप द्वारा किया गया। शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रमुख प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की भूमिका, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा महिलाओं को प्राप्त कानूनी संरक्षण एवं अधिकारों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महिला स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता एवं सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित एवं नियमित उपयोग के महत्व पर भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर अनीता विश्वकर्मा, पराविधिक स्वयं सेवक ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भेदभाव-मुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराना प्रत्येक संस्था का दायित्व है। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता के माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगी तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में बिना भय के कानून द्वारा प्रदत्त उपायों का उपयोग कर सकेंगी।

इलाज : केजीएमयू में एसआईटी की पड़ताल, घायलों के बयान और मेडिकल रिकॉर्ड खंगाले

अलीगंज अग्निकांड : घायल लवप्रीत को मिली छुट्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड की जांच के लिए गठित स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (SIT) की टीम मंगलवार को KGMU ट्रॉमा सेंटर पहुंची। टीम ने करीब एक घंटे तक ट्रॉमा सेंटर में रहकर अधिकारियों और डॉक्टरों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। इस दौरान ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत कर हादसे के बाद घायलों के पहुंचने और इलाज की प्रक्रिया को समझा गया। घायलों और डॉक्टरों से अहम सुराग जुटाए।

वहीं, ट्रॉमा में भर्ती लवप्रीत कौर को मंगलवार दोपहर बाद डिस्चार्ज कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी कंडीशन में सुधार था, दिल्ली से परिजन भी आ गए थे। ऐसे में जब उनकी तरफ से छुट्टी की बात की गई तो मरीज को घर जाने की इजाजत दे दी गई। जांच टीम ने सोमवार रात इलाज के बाद डिस्चार्ज होकर घर जा चुके युवक-युवतियों को भी बुलाया। उनसे हादसे के पहले और बाद की पूरी स्थिति के बारे में सिलसिलेवार जानकारी ली गई। टीम यह जानने का प्रयास कर रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने क्या देखा। SIT अब ट्रॉमा सेंटर से जुटाए गए मेडिकल रिकॉर्ड, डॉक्टरों की जानकारी और घायलों के बयान के आधार पर आगे की जांच करेगी। हादसे की हर कड़ी को जोड़ने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

शव की कंडिशन के बारे में ली जानकारी

SIT ने अधिकारियों से पूछा कि घटना के बाद मरीज किस हालत में ट्रॉमा सेंटर लाए गए थे। घायलों के शरीर पर किस तरह की चोटें थीं। उन्हें किस स्तर की चिकित्सकीय जरूरत थी। इसके साथ ही हादसे में मृत लोगों के शव किस स्थिति में ट्रॉमा सेंटर लाए गए थे? इसकी भी जानकारी ली गई। टीम ने शवों पर चोट, जलने या अन्य किसी तरह के निशान से जुड़े तथ्यों को भी जांच के दायरे में रखा।

घटना को लेकर जुटाई जानकारी

अधिकारियों ने SIT को बताया कि हादसे के बाद ट्रॉमा सेंटर में घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। घटना में घायल दो लोग ट्रॉमा सेंटर में भर्ती थे। टीम ने इनमें से एक घायल लवप्रीत से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी हासिल की। इसके बाद एसआईटी तीसरे तल पर पहुंची, जहां आईसीयू में भर्ती युवक का हाल जाना और उससे भी घटना से जुड़े बिंदुओं पर पूछताछ की। अग्निकांड की जानकारी कब हुई? बचाव के लिए क्या-क्या कदम उठाए। घटना के वक्त सेंटर में कितने लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में थार से पुजारी को टक्कर मारी

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में सड़क हादसे के बाद मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। विराम खंड-2 स्थित सिद्ध कामेश्वर मंदिर के प्रधान पुजारी घृष्ट घुग्न मिश्रा ने आरोप लगाया कि उनके सहयोगी देवकुमार दुबे को एक थार चालक ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। फिर घायल को इंदिरानगर सेक्टर-19 के जंगल क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए, जिससे समय पर इलाज नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर गोमतीनगर ब्रजेश चंद्र तिवारी ने बताया विराम खंड-1 स्थित देवा पैलेस के पास थार (UP51BP7011) को बैक करते समय चालक की लापरवाही से देवकुमार दुबे को टक्कर लग गई थी। हादसे के बाद चालक और उसके साथियों ने घायल को अस्पताल ले जाने की बात कही और पुजारी के बेटे अनूप को भी गाड़ी में बैठने के लिए कहा, लेकिन जैसे ही वह पीछे बैठने लगा, आरोपी तेज रफ्तार में गाड़ी लेकर फरार हो गए।

इरम कॉलेज में लगी आग शॉर्ट सर्किट की आशंका

ऑफिस के फर्नीचर और फाइलें जलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित शेखपुर हबीबपुर में मंगलवार दोपहर इरम कॉलेज में आग लगी। आग कॉलेज के ऑफिस में आग लगी थी। चौक फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

एफएसओ चौक ने बताया दोपहर करीब 3:50 बजे कंट्रोल रूम को इरम कॉलेज के कार्यालय में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद चौक फायर स्टेशन से दो मिनी फायर टेंडर (एमएफई) के साथ टीम मौके के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुंचने पर पता चला कि कॉलेज के ऑफिस में रखे फर्नीचर, फाइलें और आलमारी आग की चपेट में आ गए थे। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फायरकर्मियों ने पंपिंग कर कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले अम्मार को नम आंखों से सुपुर्द-ए-खाक किया गया

बेटे का जनाजा उठाकर फफक पड़ा पिता

घटना

■ लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले अम्मार जनाजे में भीड़ उमड़ पड़ी।

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। लखनऊ में एक कोचिंग सेंटर संचालित भवन में लगी भीषण आग में बाराबंकी निवासी मोहम्मद अम्मार (24) की मौत हो गई।

यह हादसा उस समय हुआ जब अम्मार भवन के अंदर मौजूद थे और आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। इलाज के दौरान उनकी मौत की पुष्टि हुई, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। मोहम्मद अम्मार लखनऊ में ग्राफिक्स डिजाइनर के रूप में कार्यरत थे और अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे थे। परिजनों के अनुसार, वह एक मेहनती, जिम्मेदार और शांत स्वभाव के युवक थे, जिन पर पूरा परिवार गर्व करता था।

परिजनों ने बताया कि अम्मार की शादी तय हो चुकी थी और अगले वर्ष मार्च में विवाह की तैयारियां भी चल रही थीं। साथ ही परिवार में बहन और अन्य सदस्यों की शादी की योजनाएं भी चल रही थीं। इस हादसे ने पूरे परिवार के सपनों को एक झटके में तोड़ दिया।

अम्मार के छोटे भाई उमर ने बताया कि वह बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं और उनके बड़े भाई हर कदम पर उनका सहारा थे।

उमर ने कहा कि अम्मार उनके लिए सिर्फ बड़े भाई नहीं बल्कि पिता समान थे, जो हर जरूरत में मदद करते थे। उन्होंने बताया कि हादसे वाले दिन वह सो रहे थे, जिस कारण अम्मार से आखिरी बार मुलाकात नहीं हो सकी। यह बात कहते हुए उमर भावुक हो गए और उनकी आंखें भर आईं।

पैतृक गांव में सुपुर्द-ए-खाक, पिता हुए भावुक

नगर कोतवाली क्षेत्र के लखपेड़ाबाग मोहल्ला निवासी अम्मार का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया गया। जनाजे के दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा और बड़ी संख्या में लोग अंतिम विदाई देने पहुंचे।

बड़े बेटे का जनाजा उठता देख पिता मंसूर आलम भावुक हो गए और रो पड़े। परिवार के साथ-साथ पूरे मोहल्ले में मातम का माहौल छा गया। ग्राफिक्स डिजाइनर के रूप में करते थे काम, परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे

पूरे मोहल्ले में शोक की लहर

लखपेड़ाबाग मोहल्ले में अम्मार की मौत की खबर से शोक की लहर दौड़ गई है। जनाजे में शामिल लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। हर किसी की जुबान पर यही बात थी कि एक मेहनती और उज्ज्वल भविष्य वाला युवक समय से पहले इस दुनिया से चला गया। परिवार के सपनों और उम्मीदों के टूटने से माहौल बेहद गमगीन है और परिजन लगातार रो–रोकर बेहाल हैं।

छोटे भाई उमर का दर्द-"भैया मेरे लिए पिता समान थे"

अम्मार के छोटे भाई उमर ने बताया कि वह बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं और उनके बड़े भाई हर कदम पर उनका सहारा थे। उमर ने कहा कि अम्मार उनके लिए सिर्फ बड़े भाई नहीं बल्कि पिता समान थे, जो हर जरूरत में मदद करते थे। उन्होंने बताया कि हादसे वाले दिन वह सो रहे थे, जिस कारण अम्मार से आखिरी बार मुलाकात नहीं हो सकी। यह बात कहते हुए उमर भावुक हो गए और उनकी आंखें भर आईं।

उन्नाव में बुजुर्ग की ट्रेन से कटकर मौत

बालामऊ ट्रेन से हुआ हादसा, गंगा स्नान के लिए घर से निकले थे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक हादसा हो गया। गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अरविंदर कुमार पाण्डेय (70) पुत्र स्वर्गीय किशन मोहन के रूप में हुई है, जो गांधी नगर, थाना गंगाघाट, उन्नाव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि अरविंदर कुमार सुबह अपने घर से गंगा स्नान के लिए निकले थे। इसी दौरान गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास वह बालामऊ ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को मृतक के पास से आधार कार्ड बरामद हुआ, जिसके आधार पर उनकी पहचान हो सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार, अरविंदर कुमार लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। मृतक के परिवार में दो बेटे और एक बेटी सहित तीन बच्चे हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बुजुर्ग किस परिस्थिति में ट्रेन की चपेट में आए।

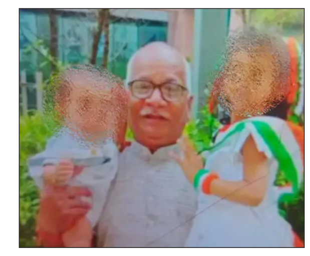

फास्ट न्यूज़

टीवीएस क्रेडिट कर्मचारी पर 5.78 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप

हरदोई। हरदोई में एक निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी पर ग्राहकों से लाखों रुपए वसूल कर कंपनी के खाते में जमा न करने का आरोप लगा है। टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड के रीजनल लीगल मैनेजर आशीष कुमार की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ सोमवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। काम ऋणी ग्राहकों से मासिक या त्रैमासिक किस्तें वसूल कर उन्हें कंपनी के बैंक खाते में समय पर जमा करना था।

विवाहिता का फांसी पर मिला शव

उन्नाव। उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र के बक्शीखेड़ा गांव में एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उन्नाव भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मृतका की पहचान 22 वर्षीय निशा पत्नी सोनू, निवासी बक्शीखेड़ा गांव, थाना हसनगंज के रूप में हुई है। बताया गया है कि निशा की शादी लगभग एक साल पहले हुई थी।

जीआरपी जवान ने घायल यात्री की जान बचाई

उन्नाव। उन्नाव में जीआरपी जवानों ने एक घायल यात्री की जान बचाई। चलती ट्रेन से गिरे बिहार निवासी यात्री को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसे तत्काल उपचार मिल सका। जानकारी के अनुसार, बिहार के मोहम्मदपुर थाना, जिला बुझा निवासी सोराज पुत्र नागेश्वर ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान वह चलती ट्रेन से गिरकर रेलवे ट्रैक के पास गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

उन्नाव में बड़े मंगल पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना, जगह-जगह भंडारे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में ज्येष्ठ माह के आठवें बड़े मंगल पर मंगलवार को पूरा जनपद भक्तिमय हो उठा। शहर से लेकर शुक्लागंज तक स्थित हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। जगह-जगह भंडारे भी लगे, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने सुबह स्नान के बाद मंदिरों में पहुंचकर भगवान हनुमान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और संकटों से मुक्ति की कामना की। शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में सुबह से देर शाम तक दर्शन-पूजन का सिलसिला जारी रहा, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया। कई मंदिरों में अखंड सुंदरकांड पाठ और सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया। मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया था और भगवान हनुमान का आकर्षक श्रृंगार किया गया था। इन धार्मिक आयोजनों से मंदिरों में उत्साह का माहौल रहा। बड़े मंगल के अवसर पर ट्रैफिक कार्यालय परिसर में भी एक विशेष धार्मिक आयोजन किया गया।

एसएसपी ने सर्राफा व्यापारियों संग की बैठक

दुकानदारों को सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश, बोले- घटना होने पर तुरंत दें जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में एक महत्वपूर्ण और विस्तृत बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह ने की। बैठक में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे सर्राफा व्यापारियों ने भाग लिया। उनके साथ पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी शैलेन्द्र लाल और क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ हर्ष मोदी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की सुरक्षा संबंधी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना रहा। बैठक के दौरान हाल ही में थाना औरास क्षेत्र में एक सर्राफा व्यवसायी के साथ हुई लूट की घटना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। एसएसपी ने इस घटना के सफल अनावरण की विस्तृत जानकारी व्यापारियों के सामने रखी। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और लगातार निगरानी के माध्यम से तेजी से कार्रवाई की। इसके परिणामस्वरूप घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया तथा लूटे गए माल की बरामदगी भी सुनिश्चित की गई। पुलिस अधिकारियों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बैठक में स्पष्ट किया कि जिले में कानून-व्यवस्था को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।

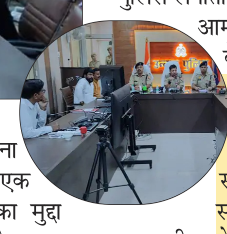

लूटकांड के खुलासे की दी गई जानकारी

बैठक में थाना औरास क्षेत्र में सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना के सफल अनावरण की विस्तृत जानकारी साझा की गई। एसएसपी ने बताया कि पुलिस टीमों ने लगातार कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और लूटे गए सामान की बरामदगी भी कर ली गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस लगातार अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी तरह के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने के निर्देश

पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों को यह भी सलाह दी कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बैठक में पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया, जिसे अपराध नियंत्रण के लिए आवश्यक बताया गया।

उन्होंने कहा कि सर्राफा व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसएसपी ने यह भी कहा कि अपराध करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और पुलिस हर घटना का शीघ्र अनावरण करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए।

उन्नाव पुलिस ने स्वर्ण व्यवसायी लूट का खुलासा किया

तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, 8 किलो चांदी और 4.5 लाख नकद बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस ने सर्राफा व्यवसायी से हुई लाखों रुपये की लूट का खुलासा कर दिया है। एसओजी, सर्विलांस और औरास पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 8 किलोग्राम चांदी के जेवरात, बिक्री के 4.50 लाख रुपये नकद और घटना में इस्तेमाल की गई फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के अनुसार, यह घटना बीते 8 जून को हुई थी। रामपुर खंझड़ी निवासी सर्राफा व्यवसायी प्रभात कुमार ने थाना औरास में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि सीसी चौराहा स्थित अपनी ज्वैलरी की दुकान बंद कर वह चांदी के आभूषणों से भरा बैग लेकर घर जा रहे थे। शाम करीब 7 बजे दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार बदमाशों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया और चांदी के जेवरों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव ने घटना के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस और थाना औरास पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की थीं। जांच के दौरान पुलिस को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि घटनास्थल से लगभग 16 किलोमीटर तक कोई सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद, पुलिस टीमों ने गहन छानबीन कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने वारदात को अंजाम देने से पहले कई महीनों तक रेकी की थी।

आरोपी रंजीत ने लगभग पांच माह पहले सर्राफा दुकान और व्यापारी के आने-जाने के रास्ते की विस्तृत जानकारी जुटाई थी। इसके बाद, बदमाशों ने तीन दिन तक लगातार शाम के समय रेकी की। उन्होंने ऐसी दुकान को निशाना बनाया जहां तिजोरी की व्यवस्था नहीं थी और दुकानदार के गांव का नाम दुकान पर लिखा होने से उनके आने-जाने का रास्ता आसानी से पता चल गया था। पुलिस के अनुसार, बदमाश ऐसी जगहों पर वारदात करते थे जहां से भागने के लिए नहर पटरी या ऐसे रास्ते उपलब्ध हों, जहां सीसीटीवी कैमरे न लगे हों। घटना में इस्तेमाल होने वाले वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई जाती थी ताकि उनकी पहचान न हो सके।

सीतापुर में यूकेलिप्टस बाग में मिला युवक का शव

शाम से लापता था, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, चोट के निशान नहीं मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के पिसावां थाना क्षेत्र के बिजौली गांव में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मंगलवार सुबह गांव के दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित एक यूकेलिप्टस (लिप्टिस) के बाग में युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बिजौली गांव निवासी 38 वर्षीय रविंद्र राठौर पुत्र स्वर्गीय राजकुमार सोमवार शाम करीब सात बजे घर से निकला था। परिजनों के मुताबिक रविंद्र ने सीतापुर जाने की बात कही थी, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के पास स्थित विवेक नामक व्यक्ति के यूकेलिप्टस के बाग में एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान रविंद्र राठौर के रूप में की। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

हादसा : हरदोई में ऑटो की टक्कर के बाद अज्ञात वाहन ने कुचला

नामकरण संस्कार से लौट रहे युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के बिलग्राम क्षेत्र में सोमवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक रामसेवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक अपने भांजे के नामकरण संस्कार में शामिल होकर घर लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर पुलिस टीम भी पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मंगलवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल वाहनों की पहचान और चालक की तलाश की जा रही है। मामले की जांच जारी है। रामसेवक पेशे से मजदूरी करते थे और कुछ महीने पहले ही उनका विवाह विभा से हुआ था। हादसे की खबर जैसे ही उनके घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी विभा, पिता अहिबरन और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। खुशहाल जीवन की शुरुआत के कुछ ही महीनों बाद हुई इस दर्दनाक मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना के बाद रहुला गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि रामसेवक एक शांत और मेहनती युवक थे। उनकी असमय मौत से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। हादसे की खबर जैसे ही घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी विभा का रो-रोकर बुरा हाल है और वह बार-बार बेहोश हो रही हैं। वहीं पिता अहिबरन भी बेटे की मौत से पूरी तरह टूट गए हैं। परिजनों के अनुसार, रामसेवक घर का सबसे जिम्मेदार सदस्य था और सभी की उम्मीदें उसी पर टिकी थीं। अब परिवार पूरी तरह से सदमे में है और हर कोई इस असमय हुई मौत को स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

घटना के बाद रहुला गांव में मातम का माहौल है। गांव के लोग परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं, लेकिन हर किसी की आंखें नम हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रामसेवक एक शांत, मेहनती और मिलनसार युवक था। उनकी असमय मौत से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरा गांव गहरे सदमे में है। हर किसी की जुबान पर यही बात है कि एक खुशहाल जिंदगी की शुरुआत होते ही यह दुखद हादसा सब कुछ छीन ले गया।

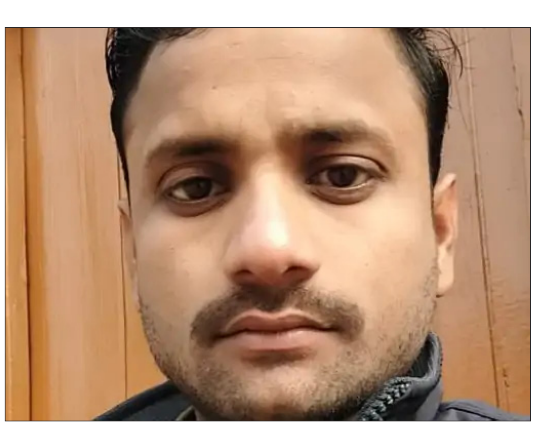

ऑटो की के बाद अज्ञात वाहन ने कुचला

जानकारी के अनुसार, बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के रहुला गांव निवासी अहिबरन के पुत्र रामसेवक (24) सोमवार दोपहर साण्डी के सेमरा गांव में नामकरण संस्कार में शामिल होने गए थे। समारोह में शामिल होकर भोजन करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिलग्राम क्षेत्र के पसनेर गांव के पास एक तेज रफ्तार ऑटो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रामसेवक सड़क पर गिर पड़े। इसी बीच पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सीतापुर में यात्रियों से भरा ई-रिक्शा पलटा, चालक की मौत

महिलाओं सहित छह यात्री घायल, सीएचसी में भर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार छह अन्य सवारियां घायल हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एलिया में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार खीरी जनपद के मैगलगंज थाना क्षेत्र के कैमहारा बाछिल निवासी 35 वर्षीय प्रवीण पुत्र राममूर्ति ई-रिक्शा चलाकर लोगों को लेकर जा रहा था। बताया जाता है कि इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रन्नूपुर के पास चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया, जिससे ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना अचानक हुआ कि ई-रिक्शा में सवार यात्रियों को संभलने का मौका नहीं मिला। वाहन पलटते ही उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एलिया पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल चालक प्रवीण का उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। काफी प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चालक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। उन्होंने जनपद में दुर्घटना संभावित स्थलों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य क्षेत्रों में वाहन चालकों की गति नियंत्रित करने के उद्देश्य से टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर बनाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बिना फिटनेस वाले वाहन किसी भी दशा में सड़कों पर संचालित न होने पाएं। जिलाधिकारी ने नीट परीक्षा के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन के लिए यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने यातायात पुलिस-कर्मियों को धूप से बचने के लिए हैट उपलब्ध कराने तथा उनके सुदृढ़ीकरण एवं आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

सम्पादकीय

अमेरिका के भरोसे न रहे भारत

अपने बोतलबंद पानी और स्वास्थ्यवर्धक झरनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के प्रमुख पर्यटन केंद्र एवियां-ले-बान में जी-7 की शिखर बैठक से अधिक उत्सुकता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री मोदी की बैठक को लेकर थी, जो 16 महीनों बाद हो रही थी। औपचारिक न होने के कारण इससे किसी निर्णय की उम्मीद तो नहीं थी, मगर यह अनुमान लगने की आशा अवश्य थी कि टैरिफ जंग छेड़ने के बाद से भारत के हितों और सम्मान को ठेस पहुंचाते आ रहे ट्रंप प्रशासन के फैसलों और बयानों का आपसी रिश्तों पर कितना असर पड़ा है और उनकी भावी दिशा क्या हो सकती है? बैठक से पहले दो-तीन ऐसी घटनाएं हुईं, जिनकी शिकायत करना भी अनिवार्य हो गया था। इससे एक सप्ताह पहले ही अमेरिकी नौसेना ने ओमान की खाड़ी से गुजर रहे तेल टैंकर पर हमला करके तीन भारतीय नाविकों को मार डाला था। एक दिन पहले पेंटागन ने प्रशांत से लेकर हिंद महासागर तक फैले क्षेत्र में अमेरिकी सुरक्षा हितों को देखने वाली अपनी इंडो-पैसिफिक कमान के नाम से इंडो शब्द हटाते हुए उसका पुराना नाम पैसिफिक कमान रखने का एलान किया था। भारत के लिए इससे भी बड़ी चिंता का विषय वह मानचित्र था, जिसे यूएस पैसिफिक कमान के नए नामकरण के साथ दिखाया गया। इस मानचित्र में गुलाम कश्मीर को पाकिस्तान और अक्साई चिन को चीन के भाग के रूप में दिखाया गया है, जिसे भारत कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। ट्रंप के साथ बैठक के बाद प्रेस को दिए वक्तव्यों में पीएम मोदी ने विश्व भर में कार्यरत भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात उठाई। उनका इशारा स्पष्ट रूप से अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों की तरफ था। ट्रंप इस पर पूछे गए सवाल को गोल कर गए। उन्होंने न तो भारतीय नाविकों की मौत पर खेद प्रकट किया और न ही भविष्य में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में कुछ कहा। उन्होंने व्यापार वार्ताओं में प्रगति की बात कही, पर व्यापार समझौता कब तक हो सकता है, इसका कोई संकेत नहीं दिया। भारत की यात्रा करने की बात कही, पर यह यात्रा कब होगी, इसका भी कोई संकेत नहीं दिया। अमेरिका में बसे और वहां जाने के इच्छुक प्रशिक्षित भारतीय सेवाकर्मियों के लिए खड़ी की जा रही मुश्किलों के सवाल पर वे केवल उनकी प्रतिभा की तारीफ करके रुक गए। वास्तव में ट्रंप ने दोनों देशों के संबंधों पर पूछे गए हर कठिन प्रश्न का उत्तर मोदी की तारीफ और उनके साथ अपनी घनिष्ठता की बातों से देने की कोशिश की। ट्रंप की तारीफ और विनोद भरी बातों पर प्रधानमंत्री मोदी की खामोश मुस्कुराहट और हाथ मिलाने के अंदाज में पुरानी गर्मजोशी की जगह थोड़ी असहजता झलक रही थी। ऐसा लगा कि दोनों नेताओं के बीच बैठक में कुछ बेबाक बातें हुईं, जिनकी झेंप मिटाने के लिए तारीफों से माहौल खुशनुमा बनाने की कोशिश की जा रही थी। वैसे गत माह क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यह भरोसा दिलाने की कोशिश की थी कि भारत अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक है। वह क्वाड ही नहीं, बल्कि अमेरिका की समूचे हिंद-प्रशांत की रणनीति की आधारशिला है। वहीं, जब भारत ने अपने नाविकों की हत्या पर कड़ा विरोध दर्ज कराया तो रूबियो खेद प्रकट करने की जगह याद दिलाने लगे कि होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीटर हेगसेथ तो रूबियो से भी दो कदम आगे बढ़ गए। उन्होंने अपनी संयुक्त सैनिक कमान के नाम से हिंद शब्द हटा दिया, जिसे 2018 में पिछली ट्रंप सरकार ने ही जोड़ा था। उस समय रक्षा मंत्री रहे जिम मैटिस ने इसके पीछे यह तर्क दिया था कि चीन के नौसैनिक विस्तार और उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं को देखते हुए हिंद महासागर को रणनीतिक दृष्टि से प्रशांत महासागर से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उस समय यह भी माना गया था कि अमेरिका के लिए भारत एशिया में शक्ति संतुलन से जुड़ी रणनीति की अनिवार्य धुरी बन चुका है। क्वाड के जरिये अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया की साझा सामरिक रणनीति बनाने का उद्देश्य भी यही था, लेकिन वर्तमान ट्रंप सरकार के सत्ता में आने के बाद से गाड़ी उलटी दिशा में चलती नजर आती है। क्वाड की शिखर बैठक पिछले दो साल से नहीं हुई है। अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के हिंद-प्रशांत अध्याय में भारत का उल्लेख न के बराबर हुआ है। गत मई की चीन यात्रा के बाद से ट्रंप ने अमेरिका और चीन की नई जोड़ी 'जी2' को विशेष महत्व देना शुरू कर दिया है। अपनी संभावित भारत यात्रा की बात करते समय भी वे जी-2 शिखर बैठक का जिक्र करने से नहीं चूके। देखा जाए तो प्रशांत क्षेत्र की संयुक्त सैन्य कमान को हिंद-प्रशांत कमान का नाम देना, क्वाड को सुदृढ़ बनाना और भारत को अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति के केंद्र में रखना न चीन को रास आ रहा था, न पाकिस्तान को।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

> वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है? अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है। कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती।

ललित गर्ग

बंदियों को तंग ...

डा. विनोद बब्बर

आपातकाल : लोकतंत्र का काला अध्याय

देश भर के असंख्य राजनैतिक कार्यकर्ता मीसा के तहत गिरफ्तार किये गये। प्रेस पर सेंसर लागू कर प्रत्येक समाचारपत्र को छपने से पूर्व जिलाधिकारी को पढ़वाकर उसकी अनुमति लेने जैसे अभूतपूर्व प्रावधान किये गए उसे जनविश्वास के बाद न्यायिक मान्यता खो चुके प्रधानमंत्री द्वारा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को बंधक बनाने के अतिरिक्त आखिर क्या नाम दिया जा सकता है?

जब-जब जून आता है, प्रत्येक सजग भारतीय लोकतंत्र को कलंकित करने वालों के काले कारनामों की स्मृतियों से सहम उठता है। उसे भुलाये नहीं भूलता, 23 जून, 1953 का वह दिन जब श्रीनगर जेल में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुकर्जी का बलिदान हुआ था। दूसरी घटना है 12 जून 1975 को एक ओर गुजरात विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को भारी पराजय का मुह देखना पड़ा था तो उसी दिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रायबरेली से चुनाव लड़ने वाले श्री राजनारायण की याचिका पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर उन्हें छह वर्ष तक चुनाव के लिए अयोग्य करार दिया था। उस समय लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में छात्र आंदोलन चरम पर था। 25 जून, 1975 दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली होनी थी। उस रैली को असफल बनाने के लिए सरकार ने उस रविवार टीवी पर एक बहुचर्चित फिल्म प्रदर्शित करने की घोषणा भी की लेकिन रैली अभूतपूर्व रही जो जबरदस्त जनाक्रोश का प्रकटीकरण था। विपक्ष एकजुट हो इंदिराजी से त्यागपत्र की मांग कर रहा था लेकिन सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष और अन्य चाटुकार 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' का नारा बुलंद कर रहे थे। इसीलिए न जाने किस लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर इंदिराजी ने 25 जून, 1975 की आधी रात को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बिना देश में आपातकाल घोषित करा दिया। हर नियम, मर्यादा को ताक पर रखकर विपक्ष के सभी बड़े नेता जेलों में डाल दिये गये। आज जो लोग दिनभर मीडिया से सोशल मीडिया तक सरकार और उसके नेता के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तथा अघोषित आपातकाल का राग अलापते हैं, उनका लोकतंत्र की कथित देवी द्वारा प्रेस पर लादे सेंसरशिप से आंखें मूंदना अभिनय है या अज्ञानता? तब सरकार से असहमति की बात अथवा समाचार छपने पर गिरफ्तारी होती थी। पंजाब केसरी से इंडियन एक्सप्रेस तक कई समाचार पत्रों का प्रकाशन रोकने के लिए उनके बिजली के कनेक्शन काट दिए गए। पुणे के 'साधना' और अहमदाबाद के 'भूमिपुत्र' पर मुकदमे लादे गये तो बड़ोदरा के 'भूमिपुत्र' के संपादक को गिरफ्तार कर लिया गया। कई अन्य पत्रकारों को भी मीसा और डीआईआर के तहत गिरफ्तार किया गया था। आपातकाल में प्रशासन और पुलिस के उत्पीड़न की असंख्य कहानियां है। पार्क में प्रातः व्यायाम करने वालों को संघी घोषित कर जेल भेजा गया तो देश की राजधानी में बस स्टैंड पर बससेवा के बारे में अपनी राय व्यक्त करने वाले संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान को उनके घर से उठाकर जेल भेज दिया गया। जिस क्षेत्र में माननीया का पोस्टर हवा से ही हट जाता था, उस क्षेत्र के अधिकारी सांसत में आ जाते थे। लोकतंत्र के उस प्रहसन में अव्यस्क किशोर तक जेल की चारदिवारी की शोभा बढ़ाते नजर आये। गिरफ्तारी और उन्हें कहां रखा गया है, इसकी सूचना उनके रिश्तेदारों, मित्रों और सहयोगियों को नहीं दी जाती थी। जयपुर की महारानी गायत्री देवी और ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया को असामाजिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ महिलाओं के साथ तो कुछ को पागलों के बीच रखा। राजनैतिक महिला बंदियों के साथ दुर्व्यवहार और गंदे मजाक किये जाते थे। बंदियों को तंग करने, उनको कोठरी में अकेले रखने, इलाज न कराने आदि के हजारों मामले बाद में शाह आयोग के सामने आये। आपातकाल के उस काले दौर में केवल राजनीतिक असहमति के कारण मीसा के अंतर्गत जेल में बंदी बनाया गया। जयप्रकाश जी के आंदोलन की उपज मीसा बंदी एक बहुचर्चित नेता ने अपनी प्रथम पुत्री का नाम ही मीसा रख दिया था। आश्चर्य यह कि आज मीसा और उनके पिता ही नहीं, बंधु भी आपातकाल के खलनायकों के वंशजों से गलगहिया कर रहे हैं। आपातकाल के उस दौर में जो कार्यकर्ता प्रचार सामग्री तैयार करते, बांटते अथवा अकारण बंदी बनाए निर्दोष कार्यकर्ताओं के परिवारों से सम्पर्क करते उनपर पुलिस अत्याचार साधारण बात थी। उनसे सत्याग्रहियों और भूमिगत कार्यकर्ताओं के ठिकानें और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए उन्हें अमानवीय यातनाएं दी जाती थी।

जनपद बलरामपुर में पंचायत भवनों में साकार हुआ डिजिटल गवर्नेंस का मॉडल

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में आज एक बेहद प्रभावी और युगांतरकारी बदलाव ने आकार ले लिया है। पारंपरिक रूप से केवल स्थानीय विवादों को सुलझाने या बुनियादी बैठकों तक सीमित रहने वाले पंचायत भवन अब डिजिटल युग के आधुनिक और जीवंत सेवा केंद्रों में तब्दील हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ग्रामीण प्रशासनिक ढांचे को पूरी तरह से पेपरलेस, पारदर्शी और डिजिटल बनाने का जो ऐतिहासिक बीड़ा उठाया है, वह अब धरातल पर पूरी ताकत के साथ दिखाई देने लगा है। इस दूरदर्शी नीति ने न केवल आम ग्रामीणों के जीवन को अत्यंत सुगम और आसान बनाया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा स्थानीय शासन प्रणाली को भी एक नई और प्रगतिशील दिशा दी है।शासन की इसी लोक-कल्याणकारी मंशा के अनुरूप जनपद बलरामपुर में ग्रामीणों को ग्राम स्तर पर ही पारदर्शी, सुगम एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। जनपद में जमीनी स्तर पर डिजिटल सेवाओं को सशक्त और सुदृढ़ बनाने की दिशा में शासन और प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की जा रही है। आज बलरामपुर के पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए बहुउद्देशीय डिजिटल सेवा केंद्र (मिनी सचिवालय) के रूप में विकसित हो चुके हैं। इन केंद्रों की उपयोगिता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक जनपद में 58 हजार से अधिक डिजिटल सेवाओं का सीधा लाभ आमजन को उनके घर के समीप ही प्रदान किया जा चुका है, जो ग्रामीण विकास के इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान है। इस वृहद् प्रशासनिक और तकनीकी बदलाव का सबसे मजबूत स्तंभ राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में सुसज्जित श्पंचायत सचिवालयोंश् की स्थापना और वहां योग्य श्पंचायत सहायकोंश् की तैनाती करना रहा है। पूर्व की व्यवस्थाओं के विपरीत, अब ग्रामीणों को अपनी छोटी-छोटी और अनिवार्य सरकारी आवश्यकताओं, जैसे आय, जाति या निवास प्रमाण पत्र इत्यादि के लिए तहसील अथवा जिला मुख्यालयों के चक्कर लगाने से पूरी तरह मुक्ति मिल गई है। राज्य सरकार द्वारा इन पंचायत भवनों में हाई-स्पीड इंटरनेट, आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम और प्रिंटर जैसी सभी आवश्यक बुनियादी डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं के दम पर ये भवन अब सीधे राज्य और केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण पोर्टलों से जुड़ चुके हैं। इसके फलस्वरूप ग्रामीणों को समय पर सेवाएं मिल रही हैं और उन्हें अनावश्यक रूप से शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ रहा है। पंचायत भवनों पर नियुक्त पंचायत सहायकों द्वारा स्थानीय स्तर पर ही सभी जरूरी दस्तावेज सहज रूप से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण जनता के समय और धन दोनों की व्यापक बचत हो रही है। प्रशासन द्वारा डिजिटल सुविधाओं के दायरे को और अधिक व्यापक व सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रथम चरण में जनपद के 50 चुनिंदा पंचायत भवनों पर आधार कार्ड बनवाने तथा उनमें आवश्यक संशोधन करने की महत्वपूर्ण सुविधा भी सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दी गई है। इस विशिष्ट कार्य के लिए पंचायत सहायकों को अत्याधुनिक और आवश्यक बायोमेट्रिक डिवाइसेज उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे आधार से जुड़े सभी कार्य अत्यंत तेजी, सुगमता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हो रहे हैं। तकनीकी रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पूरी तरह सक्षम बनाने के लिए इन पंचायत भवनों को हाई-स्पीड इंटरनेट और भारतनेट परियोजना के जरिए ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है।

जरा हटके

शहरी क्षेत्रों में सीवर...

प्रवीण मालवीय

प्रदेश में अमृत योजना-2.0 से बदल रही है, नगरों की तस्वीर

भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। बढ़ती आबादी, विस्तारित शहर और आधुनिक जीवनशैली के साथ नगरों में मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता भी लगातार बढ़ती जा रही है। स्वच्छ पेयजल, बेहतर सीवर व्यवस्था, साफ-सफाई, जल संरक्षण और हरित वातावरण आज प्रत्येक नागरिक की प्रमुख आवश्यकता बन चुके हैं। इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा अटल मिशन फॉर रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन योजना की शुरुआत की गई।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह योजना नगर विकास की नई क्रांति के रूप में सामने आई है। मा0 मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शी सोच, मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विकासोन्मुख नीतियों के कारण प्रदेश के शहर तेजी से आधुनिक और सुव्यवस्थित बन रहे हैं। अमृत 2.0 योजना के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और नागरिकों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हो रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2015 में अमृत योजना की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य देश के शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं का विकास करना था। पहले चरण की सफलता के बाद वर्ष 2021 में अमृत 2.0 को अधिक व्यापक और आधुनिक स्वरूप में लागू किया गया। अमृत 2.0 केवल निर्माण कार्यों तक सीमित योजना नहीं है, बल्कि यह "स्मार्ट, स्वच्छ और आत्मनिर्भर शहर" बनाने का अभियान है। इसके अंतर्गत जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, हरित क्षेत्र, जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर एक साथ कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में इस योजना को विशेष प्राथमिकता देते हुए नगर विकास विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नगरों की सभी विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए ताकि जनता को सीधे लाभ मिल सके। अमृत 2.0 का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है।प्रदेश के विभिन्न नगरों में नई पाइपलाइनें बिछाई जा रही हैं, पुरानी जलापूर्ति व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाया जा रहा है और नए जल शोधन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इससे लाखों लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। राजधानी लखनऊ ,कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज सहित प्रदेश के अनेक शहरों में जलापूर्ति से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। इन परियोजनाओं से नागरिकों को नियमित और बेहतर जलापूर्ति सुनिश्चित हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के अन्तर्गतज 169 जलापूर्ति परियोजनाएं पूर्ण करते हुए 46 लाख से अधिक घरों में नल के कनेक्शन संयोजित किये गये हैं।

शहरी क्षेत्रों में सीवर और जल निकासी की समस्याएं लंबे समय से बड़ी चुनौती बनी रही। बरसात के दौरान जलभराव, गंदगी और दूषित पानी की समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती थी। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।प्रदेश के विभिन्न नगरों में सीवर नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। नई ड्रेनेज लाइनें बनाई जा रही हैं तथा पुराने सिस्टम को आधुनिक तकनीक से मजबूत किया जा रहा है। इससे जलभराव की समस्या में कमी आ रही है और शहर अधिक स्वच्छ एवं व्यवस्थित बन रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में नगरों में जल निकासी की व्यवस्था को मजबूत किया गया है ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रदेश के विभिन्न नगरों में सीवरेज/सेप्टेज की 159 से अधिक परियोजनाओं को पूर्ण करते हुए 8.77 लाख से अधिक सीवरेज कनेक्शन देते हुए 3500 किलोमीटर से अधिक की सीवरेज लाइनों का निर्माण करते हुए नागरिकों को सुविधा दी गई है।

अमृत 2.0 केवल विकास की योजना नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण और घटते जलस्तर को देखते हुए योजना में जल संरक्षण और हरित विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।प्रदेश के कई शहरों में तालाबों और झीलों के पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके। इसके साथ-साथ पार्कों, हरित क्षेत्रों और खुले स्थानों का विकास किया जा रहा है जिससे शहरों का वातावरण स्वच्छ और सुंदर बन सके। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी पर्यावरण संरक्षण को विकास का अनिवार्य हिस्सा मानते है। यही कारण है कि नगर विकास योजनाओं में हरित क्षेत्रों के विस्तार और स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न नगरों में 423 एकड़ से अधिक हरित क्षेत्र विकसित किये गये हैं। अमृत 2.0 के माध्यम से उत्तर प्रदेश के शहरों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। पहले जहां कई नगरों में गंदगी, खराब सड़कें, टूटी पाइपलाइनें और जलभराव जैसी समस्याएं आम थीं, वहीं अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त व्यवस्थित नगरों का निर्माण हो रहा है।नगर विकास विभाग द्वारा शहरों में आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। सड़कें, जलापूर्ति, सीवरेज और पार्क जैसी सुविधाओं में तेजी से सुधार हुआ है।

इससे नागरिकों का जीवन अधिक सुविधाजनक बन रहा है।

20 पेज की रिपोर्ट में एफआईआर और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट एसआईटी ने सरकार को सौंपी

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में SIT ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें FIR दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का CEO नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए SIT ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है।

सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी। इसके बाद गृह मंत्रालय तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए।

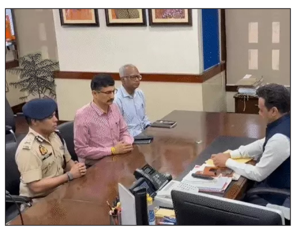

इसके अलावा, चंपत राय के करीबी टिन्नू के घर से सोना मिला था। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, चोरी 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो सकती है। विश्व सिंधी सेवा संगम संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजू मनवानी का दावा है कि 26 जनवरी 2021 को दुनियाभर के सिंधी समाज की ओर से करीब 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की 200 किलो चांदी, 1-1 किलो की 200 ईंटों के रूप में अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को सौंपी गई थी।

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी में एफआईआर की मांग, श्रीराम सेना ने थाने में सौंपा ज्ञापन

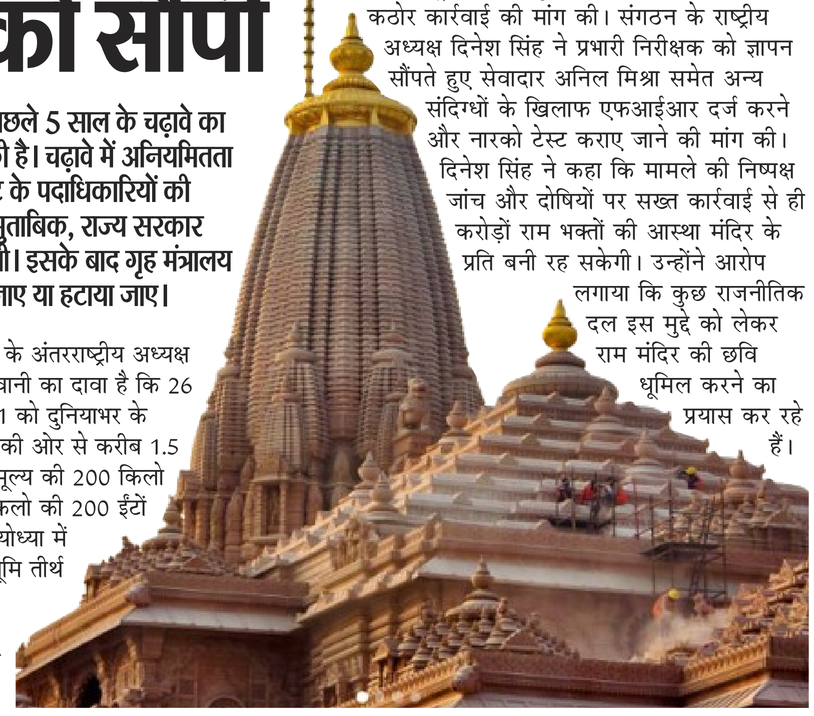

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम सेना ने राम जन्मभूमि थाना पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए सेवादार अनिल मिश्रा समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और नारको टेस्ट कराए जाने की मांग की। दिनेश सिंह ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई से ही करोड़ों राम भक्तों की आस्था मंदिर के प्रति बनी रह सकेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर राम मंदिर की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

जांच शुरू हुई तो कोचिंग बंद कर भागे संचालक

बच्चों को सुबह बुलाया गया, दोपहर बाद मैसेज भेजा-नहीं चलेगी क्लास

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। लखनऊ की कोचिंग में हुए अग्निकांड के बाद गोरखपुर में सघन जांच की गई। प्रशासन, अग्निशमन विभाग और गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) की टीमों ने जांच की। सुबह कुछ कोचिंगों में जांच की खबर सार्वजनिक हुई तो कई कोचिंग संचालकों ने अपने यहां ताला लगा दिया। सुबह बच्चों को यह मैसेज भेजा गया कि उनकी क्लास चलेगी लेकिन दोपहर बाद दूसरा मैसेज भेजा गया कि आज क्लास स्थगित रहेगी। इसके बाद भी कई बच्चे निर्धारित समय से कोचिंग पहुंच गए थे। ताला बंद देखकर उन्हें निराशा हुई। कमिश्नर अनिल ढींगरा, डीएम दीपक मीणा व जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल के निर्देश पर सुबह से ही जांच शुरू हो गई थी। जांच शुरू होने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। हरिओम नगर क्षेत्र में लगभग एक दर्जन कोचिंग क्लासेज हैं। यहां टीईटी से लेकर जेईई और नीट तक की तैयारी कराई जाती है। सभी कोचिंग संस्थान दोपहर में ही बंद हो गए। हम सबसे पहले हरिओमनगर स्थित बुद्धा कोचिंग सेंटर पहुंचे। वहां एसएससी, बैंक, रेलवे, टीईटी, यूपी एसआई आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। तमसा संकेत की टीम ने कोचिंग सेंटर के अंदर जाने के लिए जब मुख्य गेट पर पहुंची तो गेट में ताला बंद था। यह गेट उस सीढ़ी पर लगा था, जो ऊपर क्लास में जाती है। सीढ़ी काफी सकरी थी। एक साथ दो व्यक्ति अगल-बगल इसपर नहीं जा सकते। मौके की स्थिति देखकर यह लग रहा था।

- हरिओम नगर स्थित एसएससी मेकर कोचिंग संस्थान भी बंद रहा।
- अंबेडकर चौक रोड स्थित बुद्धा कोचिंग सेंटर में भी ताला लटका रहा।

फास्ट न्यूज

पति को जेल से छुड़ाने के बदले में गैंगरेप

मोहाली। मोहाली के जीरकपुर में पति को जेल से बाहर निकालने का झांसा देकर एक महिला से गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने महिला को अदालतों में अच्छी पकड़ का हवाला दिया था और उसे विश्वास दिलाया था कि वह उसके पति को जेल से निकलवा देंगे। पीड़िता मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा की रहने वाली है और जीरकपुर में एक प्राइवेट कंपनी में काम करती थी। वह मोहाली में सिंहपुरा गांव, नगला रोड स्थित माया गार्डन में रहती थी। रेप के समय पीड़िता गर्भवती थी।

भीम आर्मी ने डीएम से की मुलाकात

सहारनपुर। सहारनपुर के देवबंद क्षेत्र के गांव बेगमपुर बजना निवासी गुरमीत कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में मंगलवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला प्रभारी सन्नी गौतम ने पीड़ित परिवार के साथ जिलाधिकारी से मुलाकात की। परिवार ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि गुरमीत कुमार पलक वाटिका बैंक्विट हॉल, तल्हेड़ी बुजुर्ग में मजदूरी करता था।

बरेली सेंट्रल जेल से उम्रकैद का कैदी भागा

बरेली। बरेली सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा एक बंदी सोमवार को फरार हो गया। घटना सामने आते ही डीजी जेल पीसी मीणा ने 7 अफसरों और कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक अविनाश गौतम के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए रिपोर्ट शासन को भेजी है। डीजी जेल ने बताया- सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे जेल के बाहर कृषि फार्म कमान नंबर-1 से एक बंदी के गायब होने की सूचना मिली।

चंबल में रेत खनन रोकने 3 राज्यों का एक्शन प्लान

एमपी-यूपी-राजस्थान के अधिकारियों ने बनाई रणनीति

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरैना। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद चंबल नदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने के लिए मंगलवार को मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सीनियर अधिकारियों की अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में चंबल अभ्यारण क्षेत्र में अवैध रेत खनन, परिवहन और उससे जुड़े नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई को लेकर संयुक्त रणनीति तैयार की गई। बैठक में तीनों राज्यों ने गुंडा लिस्ट और सीसीटीवी डेटा शेयर करने, नेशनल हाईवे समेत अन्य क्षेत्रों में रेत परिवहन ,बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर के चलने वाले वाहनों और रेत से जुड़े अपराधियों

पर किस तरह शिकंजा कसा जाए इस पर चर्चा हुई और कई अहम फैसले भी लिए गए। मुरैना स्थित देवरी चंबल घड़ियाल केंद्र पर दोपहर 1 बजे हुई इस अहम बैठक में तीनों राज्यों के कलेक्टर, एसपी, कमिश्नर, डीएफओ, आरटीओ और खनिज विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य फोकस चंबल क्षेत्र में लगातार हो रहे अवैध रेत उत्खनन और उसके परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण था। बैठक में यह तय किया गया कि तीनों राज्यों के बीच रियल टाइम डेटा और निगरानी सिस्टम साझा किया जाएगा।

मुरैना और धौलपुर के घाटों पर लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड और सर्विलांस डेटा को आपस में साझा किया जाएगा, ताकि गतिविधियों पर तुरंत नजर रखी जा सके। इसके अलावा बिना रजिस्ट्रेशन नंबर या अवैध रूप से संचालित वाहनों पर सख्त कार्रवाई का फैसला लिया गया। ऐसे वाहनों की पहचान कर उन्हें तत्काल जब्त करने और उन पर कानूनी कार्रवाई करने पर सहमति बनी। अपराधियों और रेत माफिया से जुड़े नेटवर्क पर भी संयुक्त नजर रखने का निर्णय लिया गया।

38 जिलों में लू चल रही, 3-4 दिन में मानसून की एंट्री हो सकती है

नोएडा और गाजियाबाद में धूलभरी आंधी, 16 शहरों में बारिश का अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर।यूपी में मानसून का इंतजार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के बॉर्डर पर पहुंचकर मानसून अटक गया है। इससे गर्मी बढ़ गई है। उमस से लोगों का हाल बेहाल है। मंगलवार को ज्यादातर शहरों में तेज धूप है। भीषण गर्मी और उमस हो रही है। हालांकि, दोपहर बाद नोएडा-गाजियाबाद और मेरठ में मौसम बदल गया। धूलभरी आंधी चलने लगी। हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी./घंटा रिकॉर्ड की गई। आगरा में करीब 45 मिनट तक आंधी चली। इसके बाद थोड़ी देर तक बारिश भी हुई।

मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, यूपी में मानसून की एंट्री में 3-4 दिन का समय लग सकता है।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा- यूपी में फिलहाल कोई मौसमी सिस्टम सक्रिय नहीं है, इसलिए पूर्वी यूपी में लू के हालात बने हुए हैं। अगले एक हफ्ते तक तापमान बढ़ेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण और मध्य भारत से आगे बढ़ गया है।

आमतौर पर 20 जून तक मानसून यूपी में एंट्री कर लेता है। लेकिन, इस बार यूपी-बिहार बॉर्डर पर पहुंचने के बाद आगे नहीं बढ़ पा रहा है। पिछले 15 दिनों से यह महराजगंज के पास रुका है। 24 घंटे में इसके आगे बढ़ने और 26-27 जून तक पूरे यूपी पहुंचने के आसार हैं। मंगलवार को 16 शहरों में बारिश और 38 शहरों में हीटवेव का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे की बात करें, तो प्रयागराज (43.3°C) देश में सबसे गर्म शहर रहा। गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, मऊ, गाजीपुर और बलिया में बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश की वजह से पेड़-पोल उखड़ गए। एक पेड़ उखड़कर कार पर गिर गया।

यूपी में अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

24 जून: पश्चिमी यूपी में बारिश की संभावना है। पूर्वी यूपी में लू चलेगी।

25 जून: पूरे प्रदेश में आसमान साफ रहेगा। गर्मी बढ़ेगी। लू चलेगी।

26 जून: पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। तापमान में बढ़ोतरी होगी।

27 जून: पश्चिमी यूपी में गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। पूर्वी यूपी में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी।

28 जून: पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रहेगा। पूर्वी यूपी में बारिश के आसार हैं।

पिस्टल से फायरिंग करने वाला युवक गिरफ्तार

अमेठी में मारपीट के बाद घटना, 2 जिंदा कारतूस बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी जिला। अमेठी पुलिस ने मारपीट के बाद पिस्टल से फायरिंग करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 32 बोर की पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। घटना का एक वीडियो आज सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस को यह सफलता अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मिली। मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान मोहनगंज थाना क्षेत्र के जमूरवा निवासी फूल मोहम्मद (24) को मोटरसाइकिल सहित पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और कारतूस मिले। पूछताछ में फूल मोहम्मद ने बताया कि उसने सोमवार शाम गोरियाबाद चौराहे पर अपने दो साथियों मकसूद और अमन सिंह के साथ

मिलकर श्रीनाथ चाट भंडार के दुकानदार से मारपीट की थी। इसी दौरान उसने पिस्टल से फायरिंग भी की थी। घटना के बाद सभी आरोपी मोटरसाइकिल (रजि0 नंबर यूपी 36 डी 9457) से फरार हो गए थे। थाना जामो पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त और बरामदगी के संबंध में विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह, उप निरीक्षक रामकिशोर रावत और उप निरीक्षक दलजीत सिंह समेत जामो थाने की टीम शामिल रही।

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में 30 कोचिंग सील

काकादेव में केडीए की छापेमारी, मानक पूरे न मिलने पर कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने काकादेव कोचिंग मंडी में बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। मानकों के विपरीत संचालित हो रहे 30 से अधिक कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया गया है। इन संस्थानों में कई जगहों पर आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था और अग्नि सुरक्षा समेत अन्य जरूरी मानकों का पालन नहीं किया गया था। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद केडीए ने चार विशेष टीमें गठित कर जांच अभियान शुरू किया है, जो लगातार क्षेत्र में कार्रवाई कर रही हैं। केडीए के अनुसार जिन भवनों में पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था नहीं है, आपातकालीन निकास की सुविधा नहीं है या बिना स्वीकृत मानचित्र के बेसमेंट में निर्माण कर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, उनके

खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण की टीमें लगातार विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर ऐसे भवनों को चिन्हित कर रही हैं। जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर सीलिंग और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच केडीए सचिव ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि करीब छह महीने पहले भी विशेष अभियान चलाकर 100 से अधिक बेसमेंट और कोचिंग संस्थानों को सील किया गया था। वर्तमान अभियान को और व्यापक बनाते हुए सभी टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की प्रत्येक गली और भवन का निरीक्षण करें। केडीए का कहना है कि जहां भी भवन निर्माण, अग्नि सुरक्षा या उपयोग संबंधी मानकों का उल्लंघन मिलेगा, वहां उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान या व्यावसायिक भवन में ऐसी स्थिति न बने, जिससे भविष्य में लोगों की जान-माल को खतरा हो।

लाखों छात्रों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता

केडीए सचिव अभय पांडेय ने बताया कि लखनऊ में हुई दुखद घटना के बाद कानपुर में भी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि काकादेव में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई के लिए आते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। इसी वजह से सभी कोचिंग संस्थानों और व्यावसायिक गतिविधियों की जांच कराई जा रही है।

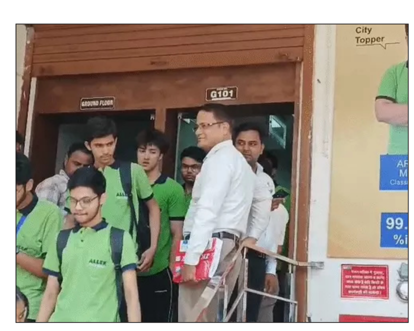

ALLEN कोचिंग सेंटर के बच्चे को घर भेजा गया।

काकादेव में एक-एक भवन की जांच

कानपुर का काकादेव प्रदेश की सबसे बड़ी कोचिंग मंडियों में शामिल है। यहां हजारों छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान आवासीय भवनों में संचालित हो रहे हैं। मंगलवार सुबह से केडीए की टीमें क्षेत्र की एक-एक इमारत का निरीक्षण कर रही हैं। सोमवार देर रात तक 16 कोचिंग संस्थानों को सील किया गया था, जबकि मंगलवार दोपहर तक यह संख्या बढ़कर 30 से अधिक हो गई।

घटना : दोनों एक ही कंपनी में काम करते थे, 3 साल पहले पिता की भी जलकर मौत हुई थी

लखनऊ अग्निकांड में कानपुर के 2 दोस्त की जलकर मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। लखनऊ में हुए अग्निकांड में कानपुर के संयम विज और सूरज सिंह की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में मां, बहन और भाई ही हैं। 8गोविंद नगर के रहने वाले संयम विज (2) और बर्रा के रहने वाले सूरज सिंह (25) लखनऊ स्थित एक एनीमेशन स्टूडियो में काम करते थे। बेटे सूरज की एक झलक पाने के लिए मां मीरा बार-बार उसके चेहरे से कफन हटाने का प्रयास करती रहीं, लेकिन शव की स्थिति ऐसी थी कि चेहरा देख पाना भी संभव नहीं था। ऐसे में नाते-रिश्तेदारों ने उन्हें कफन हटाने नहीं दिया। बेटे का शव देखकर बिलखती मां बार-बार यही कहती रहीं-रविवार को ही तो घर से गया था। कह रहा था कि जल्दी लौट आऊंगा। अगर पता होता कि उसके साथ ऐसा हो जाएगा, तो उसे घर से जाने ही नहीं देती। किदवई नगर स्थित डॉ. वीरेंद्र स्वरूप मैनेजमेंट कॉलेज से सूरजभान का छोटा भाई सम्राट MBA की पढ़ाई कर रहा है। पूरे परिवार की जिम्मेदारी बड़े भाई सूरजभान पर थी।

मृतक के मामा जितेंद्र सिंह ने बताया- मेरा भांजा 4 सालों से 3डी एनीमेशन का काम करता था। मेरा भांजा हमें छोड़कर चला गया। अब हमें सरकार से उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संयम विज
मृतक

सूरज के पिता की भी आग लगने से हुई थी मौत

मृतक सूरजभान के मामा जितेंद्र सिंह ने बताया कि उसके पिता शिवराम सिंह दादा नगर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मलिक पेट्रोल पंप में मैनेजर थे। 8 मार्च 2023 को होली के दिन को-ऑप स्टेट के चेयरमैन विजय कपूर के पेट्रोल पंप के केबिन में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में शिवराम सिंह गंभीर रूप से झुलस गए थे। उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के केजीएमयू में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

लखनऊ जाते समय डंपर से टकराई मामा की कार

सोमवार को हुए अग्निकांड के बाद शाम करीब सात बजे लखनऊ प्रशासन ने परिजनों को सूरजभान की मौत की सूचना दी। उस समय सूरजभान का छोटा भाई सम्राट ऋषिकेश में था। उसने घटना की जानकारी मामा जितेंद्र सिंह को दी। इसके बाद जितेंद्र सिंह अपने बड़े भाई कृष्ण बिहारी, नरेंद्र और चालक गुड्डू के साथ कार से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र में उनकी कार आगे चल रहे डंपर से टकरा गई।

दालमंडी में हुई मस्जिदों की नपाई, मिलेगी क्षतिपूर्ति

पांच मस्जिदों के मुतवल्लियों ने ध्वस्तीकरण में दी सहमति

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी में चौड़ीकरण प्रोजेक्ट की जद में आ रही 6 मस्जिदों को भी अब प्रशासन ने तोड़ने और दालमंडी प्रोजेक्ट को तेज गति से खत्म करवाने का कार्य शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब तक पांच मस्जिदों के मुतवल्लियों ने शासन को ध्वस्तीकरण में मस्जिद के अंश आने पर उसके ध्वस्तीकरण की सहमति दी है। इन सभी मस्जिदों को सरकार क्षतिपूर्ति देगा। जिसके लिए बातचीत चल रही है। इधर पीडब्ल्यूडी ने मस्जिदों की नापी भी कराई। इसमें मस्जिद करीमुल्लाह बेग, मस्जिद संगेमरमर, मस्जिद अली राजा, मस्जिद रंगीले शाह और नेसारन की मस्जिद शामिल है। वहीं लंगड़े हाफिज मस्जिद को लेकर लगातार प्रशासन मुतवल्लियों से बातचीत कर रहा है। अभी तक चार मस्जिदों ने सहमति दी थी। इसके बाद रंगीले शाह मस्जिद के मुतवल्ली ने भी सहमति दे दी। जिसके बाद मस्जिद की नापी कराई गई है। मस्जिद के मुतवल्ली की मौजूदगी में सड़क के मध्य से मस्जिद की नापी की गई है। इस दौरान दालमंडी में मौजूद लोगों का मजमा लग गया। जिन्हे हटाने के लिए लगातार लाउड हेलर से अनाउंसमेंट किया जा रहा था। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की मानें तो दालमंडी की 650 मीटर सड़क को 17.05 मीटर चौड़ा किया जाना है। इसमें 181 भवन और 6 धार्मिक स्थल चिह्नित किए गए थे। इसमें से अभी तक पांच मस्जिदों की सहमति ध्वस्तीकरण कार्य के लिए आ चुकी है। इसमें रंगीले शाह मस्जिद की नापी कराई गई है। ध्वस्तीकरण की जद में मस्जिद का गेट और दुकाने आ रही हैं। इसके आलावा मस्जिद की पहचाना दोनों मीनारे भी चौड़ीकरण में तोड़े जाएंगे।

आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट, धुआं उठा

100 छात्र भागकर बाहर निकले, फायर विभाग के अफसर पहुंचे, कोचिंग की जांच की

भागदड़

तमसा संकेत, एजेंसी

- आगरा के आकाश इंस्टीट्यूट में धुआं उठने के बाद छात्र-छात्राएं भागकर बाहर आ गए।
- सड़क पर छात्र-छात्राओं की भीड़ लग गई। आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी।

आगरा। आगरा में मंगलवार सुबह 11.15 बजे आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट के बाद धुआं उठा। बेसमेंट से उठे धुएं को देखकर छात्र और टीचर घबरा गए। सभी तुरंत भागकर सड़क पर आ गए। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस दौरान 100 से ज्यादा स्टूडेंट्स कोचिंग में पढ़ाई कर रहे थे। प्रत्यक्ष-दर्शियों के मुताबिक, बेसमेंट से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। लोग चिल्लाने लगे। टीचर्स ने तत्काल सभी कक्षाएं खाली कराईं। इसके बाद किसी ने बिजली की मेन लाइन काट दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर विभाग के अफसर कोचिंग सेंटर पहुंचे। जांच की। दरअसल, सोमवार को लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में भीषण आग लग गई थी। हादसे में 15 लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में ज्यादातर 20 से 30 साल की उम्र के बीच के थे। छात्रा पूनम ने बताया- हमारी क्लासेज चल रही थी। एकदम से हमारे स्टाफ मेंबर्स और टीचर्स आए। कहा- जल्दी-जल्दी यहां से सभी बाहर निकलो, फिर हम तुरंत एग्जिट एरियर से बाहर आ गए। हमें लगा कि छुट्टी हो गई है या फिर कुछ महत्वपूर्ण काम होगा। बाद में पता चला कि नीचे का जो ग्राउंड एरिया है। वहां रखे ट्रांसफार्मर में आग लग गई है। बस हमें इतनी ही इंफॉर्मेशन है। CFO देवेंद्र कुमार- आकाश इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में आग लगने की सूचना मिली थी, लेकिन वहां आग जैसी कोई बात नहीं थी। बेसमेंट में शॉर्ट सर्किट से धुआं उठा था। यहां कोचिंग में जांच-पड़ताल की गई। यहां सुरक्षा के सभी इंतजाम सही पाए गए। शहर भर में कोचिंग सेंटरों की जांच की जा रही है। वहां फायर मानकों को देखा जा रहा है। जहां कमियां मिली हैं, उन्हें नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। फायर अधिकारी सोमनाथ ने कहा- शहर के कोचिंग सेंटरों की जांच की जा रही है। फायर के मानक तो पूरे होने ही चाहिए। जो लाइसेंस अथॉरिटी हैं उन्हें भी देखना चाहिए कि वहां ओपन स्टेयर्स हैं कि नहीं। प्रॉपर वेंटिलेशन है कि नहीं। आकाश इंस्टीट्यूट के मैनेजर सचिन मित्तल ने कहा- कोचिंग कॉमर्शियल बिल्डिंग में स्थित है। इसी के बेसमेंट में पावर जंक्शन में शॉर्ट सर्किट से धुआं उठने लगा था। इसकी सूचना गार्ड ने हम लोगों को दी। गार्ड ने ही फायर एक्सटिंगिवीशर की मदद से उस उठते धुएं को बंद किया। उन्होंने कहा- एहतियातन के तौर पर करीब 100 बच्चों को बिल्डिंग से बाहर निकाला गया।

फायर अफसरों ने जांच की, दूसरी कोचिंग भी गए

आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट की सूचना पर फायर विभाग के अफसर मौके पर पहुंचे। कोचिंग की जांच की। इसके बाद अफसरों ने पास में ही जीएस कोचिंग सेंटर भी जांच के लिए गए। वहां आने-जाने का रास्ता बहुत संकरा था। फायर एक्सटिंगिवीशर भी खाली थे। अफसरों ने कोचिंग प्रबंधन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि या तो इंतजाम ठीक करिए नहीं तो कोचिंग खाली करिए। कोचिंग मालिक और बिल्डिंग के मालिक दोनों को फायर विभाग ने तलब किया।

स्टूडेंट आर्यन पंडित ने बताया कि हम लोग क्लास में थे। हमारे पास टीचर्स आए और बोले कि आग लग गई है। फिर हम फायर एग्जिट से तुरंत बाहर आ गए। हमने देखा कि काफी बच्चे बाहर थे। हालांकि, ज्यादा पैनिक स्थिति नहीं हुई थी। धुआं नहीं दिख रहा था। बस पता चला कि कोचिंग में कहीं शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। जिस समय आग लगी थी, उस समय हमारी क्लास में ही 50 बच्चे थे।

पूर्व मंत्री मोईद अहमद ने सरकार-आरएसएस पर साधा निशाना

लखनऊ हादसे पर कहा- सरकार को पहले एहतियात बरतना चाहिए था

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में मंगलवार को पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोईद अहमद ने सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। उन्होंने पेपर लीक मामलों, लखनऊ कोचिंग सेंटर हादसे और आरएसएस की कार्यप्रणाली सहित कई समसा-मयिक मुद्दों पर सवाल उठाए।

मोईद अहमद ने कर्नाटक के गृह मंत्री द्वारा आरएसएस को लेकर लिखी गई चिट्ठी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि देश में प्रत्येक संगठन, संस्था या ट्रस्ट का पंजीकरण होता है और उसे अपने वित्तीय लेनदेन का हिसाब देना अनिवार्य है। अहमद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने आरएसएस को देश का सबसे बड़ा एनजीओ बताया था। उन्होंने कहा कि इतने बड़े संगठन का न तो कोई पंजीकरण है और न ही उसके पास आने वाले चंदे का कोई हिसाब-किताब रहता है। अहमद ने इसे एक बड़ी धांधली बताया। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि आरएसएस खुद को बचाने के लिए हिंदू धर्म की आड़ लेता है, जबकि हिंदू इस देश का हर नागरिक है। देश में बढ़ते पेपर लीक के मामलों पर मोईद अहमद ने यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई के संघर्ष की सराहना की। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस के छात्र और युवा संगठन ही सड़क पर उतरे हैं, जिसका राहुल गांधी भी समर्थन कर रहे हैं। 'नई शिक्षा नीति' पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यह नीति नौजवानों को बेरोजगार और बेकार रखने का एक नया सिस्टम है।

फास्ट न्यूज

दिशा पाटनी ने अक्षय के लिए घर से खाना मंगाया

बरेली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोमवार को एक्टर अक्षय कुमार, राजपाल यादव और भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के साथ बरेली पहुंचीं। एयरपोर्ट पहुंचते ही दिशा ने पिता को फोन कर घर का बना खाना मंगवाया। पिता घर की दाल, चावल, सब्जी और रोटी लेकर एयरपोर्ट पहुंचे। दिशा के साथ अक्षय, अक्षरा और राजपाल ने भी घर के खाने का लुत्फ उठाया। अक्षय कुमार ने मुस्कुराते हुए कहा, "मजा आ गया।"

महिला सिपाही ने चूड़ी पीसकर खा ली

कानपुर। कानपुर में तैनात एक महिला सिपाही का उसके पति से विवाद हो गया। गुस्से में महिला सिपाही ने चूड़ियां पीसकर खा लीं। हालत बिगड़ने पर साथी पुलिसकर्मी उसे तत्काल घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे कानपुर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पूरा मामला घाटमपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, घाटमपुर थाने में तैनात महिला सिपाही प्रियंका चौधरी के पति संतोष मेरठ पुलिस में सिपाही हैं। सोमवार देर शाम संतोष घाटमपुर आए थे।

मथुरा में एक्सीडेंट में युवक की मौत

मथुरा। वृंदावन रोड स्थित बिरला मंदिर चौकी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में 28 साल युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने मंगलवार सुबह सड़क जाम करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश देकर लोगों को शांत कराया और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। मृतक की पहचान केशवपुरा निवासी आजाद पुत्र सलीम के रूप में हुई है।

चौकी में महिला परिचालक की पिटाई

पुलिस पर थप्पड़ मारने का है आरोप, सवारी बैठाने को लेकर हुआ था विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के टेढ़ी बगिया चौकी क्षेत्र में सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद ने मंगलवार को तूल पकड़ लिया। रोडवेज की एक महिला परिचालक ने पुलिसकर्मियों पर चौकी के अंदर बंद कर थप्पड़ों से पीटने का आरोप लगाया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र स्थित सैटलाइट बस स्टेशन के सामने रोडवेज बसों में सवारी बैठाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। खंदौली थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी उपासना, जो फाउंड्री नगर डिपो में परिचालक हैं, ने आरोप लगाया कि दूसरे डिपो के चालक और परिचालक से सवारी भरने को लेकर विवाद हुआ था। उनके मुताबिक, वह सुबह से बस संचालन के लिए खड़ी थीं और उन्हें मेरठ के दो चक्कर लगाने थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के चालक ने डंडों से हमला कर दिया। उपासना का आरोप है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उनके चालक साथी को सार्वजनिक रूप से पीटते हुए चौकी ले गई। उनका कहना है कि बाद में दूसरे पक्ष से सांठगांठ कर चौकी में मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों ने उन्हें बूथ के अंदर बंद कर थप्पड़ों से पीटा। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस कार्रवाई का विरोध किया गया। कुछ लोगों ने पुलिस पर मोबाइल फोन छीनने का भी आरोप लगाया। महिला परिचालक लोगों के सामने रोती हुई नजर आई और शरीर पर चोट के निशान दिखाते हुए न्याय की मांग करती रही। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस ने आरोपों को बताया निराधार

एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सवारी बैठाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों के चालकों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा किसी प्रकार की मारपीट नहीं की गई है। संबंधित लोगों को केवल पूछताछ के लिए चौकी लाया गया था। मोबाइल फोन छीनने के आरोपों को भी उन्होंने गलत बताया।

वायरल वीडियो से उठे सवाल

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो और अन्य तथ्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है।

हरियाणवी सिंगर ने वृंदावन के संतों का लिया आशीर्वाद

रेणुका पंवार बोलीं- कथावाचकों से मिला ऑफर, जल्द हरियाणवी में आएंगे भजन

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। 52 गज का दामन और 'चटक मटक' जैसे सुपरहिट गीतों से सुर्खियां बटोरने वाली हरियाणवी सिंगर रेणुका पंवार एक बार फिर चर्चा में है। रेणुका पंवार अगले महीने 30 दिन के लिए USA भी जाने वाली हैं, जहां वे हरियाणवी गीतों के माध्यम से लाइव परफॉर्मेंस देंगी। उनके पांच अलग-अलग लोकेशन पर लाइव शो होंगे। रविवार को वे वृंदावन में धार्मिक यात्रा पर रहीं। इस दौरान उन्होंने प्रसिद्ध कथावाचक देवी चित्रलेखा, देवकी-नंदन ठाकुर, अनिरुद्ध आचार्य से आशीर्वाद लिया। देवी चित्रलेखा के साथ जहां उन्होंने गौ सेवा की, वहीं देवकीनंदन ठाकुर ने उनके साथ एक गीत गाने की इच्छा जताई। अनिरुद्ध आचार्य ने उन्हें अमेरिका टूर की शुभकामनाएं दीं। साथ ही इसी प्रकार हरियाणवी संस्कृति को आगे बढ़ाने और अच्छे कंटेंट के माध्यम से संस्कृति को बदनाम होने से भी बचाने की सलाह दी। बातचीत में देवी चित्रलेखा ने तो रेणुका को हरियाणवी भाषा में भजन लिखने और कोलैब करने की पेशकश भी की। आगामी दिनों में रेणुका उनके साथ भजन में नजर आ सकती हैं। रेणुका पंवार अपने दो भाइयों और टीम के साथ रविवार यानी 21 जून को सुबह 11 बजे से लेकर रात 8 बजे तक वृंदावन क्षेत्र में अलग-अलग कथावाचकों के दरबार में पहुंचीं। सबसे पहले करीब 11 बजे देवी चित्रलेखा के पास पहुंचीं। जहां उन्होंने देवी चित्रलेखा के गौ सेवा धाम अस्पताल में करीब एक घंटे तक घायल, बीमार और असहाय गौवंश की सेवा की और उन्हें गुड़ भी खिलाया। देवी चित्रलेखा ने रेणुका पंवार, विक्की पंवार और उनके छोटे भाई सागर पंवार को शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। करीब 30 मिनट की इस मुलाकात में देवी चित्रलेखा ने रेणुका से करियर और परिवार के बारे में भी जानकारी हासिल की। इसके बाद करीब 3 बजे रेणुका पंवार की कथावाचक देवकी-नंदन ठाकुर से मुलाकात हुई।

बिना फायर एनओसी संचालित हो रहे होटल को नोटिस

मथुरा में 1 कोचिंग सील, 2 को चेतावनी

- सिटी मजिस्ट्रेट ने चेतावनी देते हुए एनओसी न मिलने तक सेंटर न चलाने के निर्देश दिए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। लखनऊ में भीषण अग्निकांड के बाद अब मथुरा में भी प्रशासन कार्यवाही करने में जुट गया है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर चेकिंग कर रही है। मकान-दुकान मानकों के अनुरूप न मिलने पर कार्यवाही की जा रही है। शहर के BSA इंजीनियरिंग कॉलेज के पास बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी और होटल हैं। यहां अधिकांश इमारत कॉमर्शियल एक्टिविटी चल रही हैं। किसी इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा है। कहीं लाइब्रेरी तो कहीं होटल चल रहे हैं। यहां मंगलवार की दोपहर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में सबसे पहले टीम STA कोचिंग सेंटर पहुंची। यहां पहली मंजिल पर कोचिंग संचालित होती मिली। इस सेंटर पर जाने के लिए अधिकतम ढाई फीट चौड़ी सीढ़ी थी।

टीम इस इलाके में जब जांच कर रही थी तो होटल शिवोहम दिखाई दिया। यहां टीम पहुंची तो सभी मानक ताक पर रखे नजर आए। व्यवसायिक गतिविधि चलाने के लिए किसी विभाग से लाइसेंस नहीं लिया गया था। होटल में 3 फीट की एंट्री थी तो ढाई फीट की सीढ़ी। इसके अलावा एक भी फायर टेंडर नहीं मिला।

सदर तहसील के वकीलों का 7वें दिन भी धरना जारी, कामकाज ठप

ई-रजिस्ट्रेशन के विरोध में वकीलों ने बजाई ताली-थाली

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। ई-रजिस्ट्रेशन के विरोध में सदर तहसील के वकीलों का 7वें दिन भी धरना जारी रहा। सोमवार को ताली-थाली बजाकर वकीलों ने ई-रजिस्ट्रेशन का विरोध किया। सोमवार को तहसील के वकील एकजुट हुए। इसके बाद ताली-थाली बजाते हुए पूरे तहसील परिसर में घूमे। उन्होंने ई-रजिस्ट्रेशन के खिलाफ नारेबाजी की। वरिष्ठ अधिवक्ता शंभूनाथ वर्मा ने कहा-सरकार का यह निर्णय अधिवक्ताओं को स्वीकार नहीं है। इसके खिलाफ उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान वकील ताली-थाली बजाते हुए सड़क पर निकल आए। उन्होंने एमजी रोड-2 पर पहुंचकर नारेबाजी करते हुए जाम लगाने का प्रयास किया।

ये रहे मौजूद

धरना प्रदर्शन संघर्ष समिति आगरा के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें लाल बहादुर राजपूत, शंभूनाथ वर्, राम क्रष्ण दत्त उपाध्याय, अरविंद दुबे, इंद्रपाल सिंह बघेल, अन्नू यादव, मनोज कुमार, राजीव उपाध्याय, मानसिंह धाकड, राजेंद्र कुमार कुलश्रेष्ठ, रामकुमार रावत, विजय कुलश्रेष्, ऋषि कुमार यादव, सुंदर पाल सिंह, भगवान सिंह, ललित अग्रवाल, हेमेंद्र सिसोदिया, श्याम सुंदर शर्मा आदि मौजूद थे।

वकीलों की हड़ताल से निबंधन विभाग में बैनामों का कामकाज लगभग ठप है। वकीलों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

सदर तहसील स्थित निबंधन विभाग पर धरना देते वकील।

तहसील परिसर में ताली-थाली बजाकर प्रदर्शन करते वकील।

इस कारण धरना दे रहे हैं वकील

सरकार ई-रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया लागू करने जा रही है। इसको लेकर विभिन्न तहसीलों में विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। आगरा सदर तहसील के वकील भी पिछले 6 दिन से हड़ताल पर हैं। ई-रजिस्ट्रेशन के विरोध में उनका विरोध-प्रदर्शन जारी है। 7वें दिन ताली-थाली बजाकर उन्होंने सरकार के इस निर्णय का विरोध किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

दवाओं के कच्चे ...

कि जब भी भारत किसी देश या ब्लॉक के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के लिए बातचीत करे, तो उसमें फार्मास्युटि-कल प्रोडक्ट्स पर एक अलग चैप्टर जरूर शामिल किया जाना चाहिए। हमारे देश में नई खोजों को बढ़ावा देने और उन्हें बिजनेस में बदलने का सिस्टम अभी कमजोर है। इसी कमी के कारण नए और लंबे समय के लिए पैसा लगाने वाले निवेशक यहां निवेश करने से घबरा रहे हैं। लाहिड़ी ने कहा कि भारत को आज पूरी दुनिया में 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' माना जाता है। नीति आयोग ने अपनी स्टडी में पाया है कि दवाओं के प्रोडक्शन के मामले में हम बहुत अच्छा कर रहे हैं, लेकिन अब हमें वैल्यू चेन में ऊपर बढ़ने की जरूरत है। इंटरनेशनल मार्केट में भारतीय कंपनियों की अच्छी साख है। अगर भारतीय फार्मा कंपनियां अच्छी क्वालिटी और सही कीमत वाले ब्रांडेड प्रोडक्ट्स बाजार में लाती हैं, तो वैश्विक बाजार पर हमारी मजबूत पकड़ बन सकती है।

सीएम योगी सख्त...

गौरतलब है कि सोमवार को अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में भीषण आग लगने से 15 छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जिस भवन में हादसा हुआ, वहां कोचिंग सेंटर के अलावा पेट शॉप, क्लीनिक और एनिमेशन सेंटर भी संचालित किए जा रहे थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था। वहीं, एसआईटी ने मंगलवार को घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली। जांच दल आग लगने के कारणों, भवन की वैधता, सुरक्षा मानकों की स्थिति और प्रशासनिक लापरवाही के पहलुओं की गहन जांच कर रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट जल्द ही शासन को सौंपी जा सकती है।

क्रिकेटर रोहित शर्मा ...

टेनिस प्लेयर रहे डॉ. विजय अमृतराज को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। एशियाई टेनिस को मुकाम देने वाले विजय ने 16 ATP खिताब (एशियाई रिकॉर्ड) जीते। 14 साल तक एशिया में नंबर 1 रहे और बाद में ब्रॉडकास्टर बने। जाने-माने एक्टर, फ़िल्ममेकर और स्क्रीनराइटर माधवन रंगनाथन को भारतीय सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत को कला के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड उनके भाई अरविंद ने लिया। चार दशकों के करियर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर सतीश शाह ने कई फिल्मों और यादगार टीवी शो में काम किया। इंडोलॉजी की मशहूर प्रोफेसर और भाषाविद् डॉ. ल्यूडमिला खोखलोवा को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्होंने रूसी, अंग्रेजी और हिंदी में 6 किताबें और 92 रिसर्च पेपर लिखे हैं। उन्होंने ऐतिहासिक भाषा-विज्ञान पर अहम रिसर्च की है, जिसमें सिख धर्म की उत्पत्ति और विकास पर किया गया अध्ययन भी शामिल है। सीमांचल पात्रा को कला के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानि किया गया। इन्होंने पीएम मोदी, अमित शाह और ओम बिरला के पैर छुए। उम्र ज्यादा होने के कारण इनके हाथ कांप रहे थे। नगालैंड के पोंगनर को कला के क्षेत्र में पद्मश्री दिया गया। इनकी पारंपरिक पोशाक चर्चा का केंद्र रही। मध्य प्रदेश के मोहन नागर को समाज सेवा में पद्मश्री दिया गया। उन्होंने पीएम मोदी के पैर छुए। इनके अलावा विजय अमृतराज को पद्म भूषण और एक्टर ममूटी को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। धर्मेन्द्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण, हेमा मालिनी ने रिसीव किया: मार्शल आर्ट गुरु पजनीवेल ने पीएम मोदी को लेटकर प्रणाम किया 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। सबसे पहले दिवंगत फिल्म स्टार धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी एक्ट्रेस-सांसद हेमा मालिनी ने यह सम्मान लिया। महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनकी लीडरशिप में इसी साल टीम ने वनडे वर्ल्डकप जीता था।

कॉकरोच जनता पार्टी ...

राहुल गांधी ने 17 जून को कोटा में स्टूडेंट्स के साथ एक रैली की थी। सुसाइड करने वाले स्टूडेंट्स की फोटो भी मंच पर लगाई गई थी। इस दौरान उन्होंने कहा था- भारत की शिक्षा व्यवस्था वसूली तंत्र बन गई है। देश का एजुकेशन सिस्टम युवाओं के सपने पूरे नहीं करता, सिर्फ उन्हें ऑप्शन देता है। आज लाखों युवा कह रहे हैं - इस व्यवस्था ने हमारे साथ अन्याय किया है। 3 मई 2026 को नीट-यूजी का पेपर हुआ था। कुछ दिन पेपर के लीक होने का मामला सामने आया था। इसके बाद देशभर में विवाद खड़ा हो गया था। कई राज्यों में अभ्यर्थियों और विपक्षी दलों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। सरकार ने 12 मई को मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी। सीबीआई ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें डॉक्टर, कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, स्कूल प्रधानाचार्य और अन्य आरोपी शामिल हैं। केतन की तरह ही इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की मेघालय में हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में आरोप लगा कि उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। दोनों 11 मई 2025 को शादी के बाद हनीमून के लिए मेघालय गए थे, जहां 23 मई को राजा लापता हो गए। 2 जून को उनका शव एक गहरी खाई में मिला। जांच के बाद पुलिस ने सोनम, उसके प्रेमी और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुणे में सोनम ...

केतन को भी शक नहीं हुआ। इसके बाद 19 जून को सिया ने दोबारा ट्रेकिंग का प्लान बनाया गया और केतन को किले से नीचे धक्का दे दिया गया। शक के आधार पर स्थानीय क्राइम ब्रांच ने चेतन को हिरासत में लिया। उससे पूछताछ के बाद सिया गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि केतन के पिता विशाल अग्रवाल की शिकायत पर मंगलवार को हत्या और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब घटनाक्रम की पूरी कड़ी जोड़ने, फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने और यह पता लगाने में जुटी है कि साजिश में कोई और भी शामिल था या नहीं। लोहागढ़ किला मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास से जुड़ा हुआ है। यह महाराष्ट्र के 12 यूनेस्को विश्व धरोहर किलों में शामिल है। केतन के पिता ने कहा- मेरी सरकार से अपील है कि इस केस को फास्ट-ट्रैक किया जाए। आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए। उन्हें सबसे सख्त सजा मिलनी चाहिए ताकि सबको बड़ा मैसेज जाए। केतन की मां ने कह- मेरे बेट की मौत के लिए सिया और उसका बॉयफ्रेंड जिम्मेदार हैं। सिया ने मुझे धोखा दिया और झूठ बोला। मैं सिया, उसका बॉयफ्रेंड, उसके माता-पिता और बुआ-फूफा के लिए मौत की सजा की मांग करती हूं। पुणे ग्रामीण पुलिस के एसपी संदीप सिंह गिल के अनुसार, केतन 18 जून की सुबह अपनी मंगेतर के साथ उसका प्री-बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए लोहागढ़ किले पर गए थे। सुबह करीब 10:30 बजे वे खाई में गिरे। स्थानीय लोगों, पुलिस और रेस्क्यू टीम ने उसी दिन केतन का शव बरामद कर लिया था। शुरुआत में पुलिस ने बताया था कि केतन लोहागढ़ किले पर तेज हवा के बीच फोटो खींचते समय खाई में गिर गए। मंगेतर सिया ने बताया था कि केतन का पैर फिसल गया और वह खाई में गिर गए। उसके बयान के आधार पर पुलिस ने आकस्मिक मौत (ADR) का मामला दर्ज किया था। हालांकि, मौत की परिस्थितियां संदिग्ध लग रही थीं। फोन रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया एक्टिविटी से पता चला कि सिया पुणे के कोंढवा निवासी चेतन चौधरी के साथ रिलेशन-शिप में है।

कहा- खुशी बयां करने के लिए शब्द नहीं, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे पर रवाना

वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया की तीन नंबर जर्सी मिली

प्रसन्नता

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी सीनियर टीम इंडिया के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर मंगलवार को रवाना हो गए। BCCI की ओर से उन्हें 3 नंबर जर्सी होटल भिजवाई गई, जिसे सूर्यवंशी काफी देर तक देखते रहे।

सूर्यवंशी को जर्सी भारतीय टीम में थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट रघु ने सौंपी। सूर्यवंशी ने सबसे पहले रघु के पैर छूए और उन्हें प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया।

इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस दिन पहली बार बल्ला थामकर मैदान पर कदम रखा था, आज वह सपना पूरा हो गया है। यह मेरे अब तक के करियर का सबसे बड़ा कदम है और इस अहसास को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। सूर्यवंशी ने IPL 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम की।

15 साल के सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। देश की नेशनल टीम में सिलेक्ट होने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा 26 जून से शुरू हो रहा है और इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद

आयरलैंड के बेलफास्ट में 26 या 28 जून को होने वाले मैच से वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। अगर वे आयरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, तो वे 15 साल की उम्र में भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा इंटरनेशनल क्रिकेटर बन जाएंगे। ऐसा होने पर वे सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकले। सूर्यवंशी ने सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उन्होंने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने IPL 2025 में 23 साल 237 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

वैभव सूर्यवंशी ने ट्राई नेशनल वनडे सीरीज के फाइनल में 11 बॉल पर अर्धशतक लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा था। यह फोटो 21 जून को खेले गए फाइनल मैच की है।

वर्ल्ड कप गोल में मेसी से 2 गोल पीछे एमबाप्पे

6 बार 2+ गोल करने वाले पहले खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार एक मैच में दो या उससे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को इराक के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 2 गोल किए। यह छठी बार है जब एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप के किसी मैच में दो या उससे ज्यादा गोल दागे हैं।

इन दो गोलों के साथ वर्ल्ड कप में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई है। उन्होंने जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोजा के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल लियोनेल मेसी हैं, जिनके नाम 18 गोल दर्ज हैं। यानी एमबाप्पे मेसी के रिकॉर्ड से सिर्फ 2 गोल पीछे हैं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मंगलवार (भारतीय समयानुसार) ग्रुप-I के दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और लास्ट-32 (नॉकआउट चरण) में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं, दूसरे मुकाबले में नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हरा दिया।

ग्रुप-I के मुकाबले में फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह पक्की कर ली। फिलाडेल्फिया में आंधी-तूफान और बारिश के कारण मैच करीब दो घंटे देरी से शुरू हुआ।

मेसी के फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा 18 गोल

जर्मनी के क्लोजा का रिकॉर्ड तोड़ा, अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने पहले अपना 17वां गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजा (16 गोल) का रिकॉर्ड तोड़ा और फिर मैच के आखिरी में एक और गोल कर इसे 18 तक पहुंचा दिया।

मेसी ने डलास स्टेडियम में 39वें मिनट में फील्ड गोल लगाकर इतिहास रचा। इसके बाद इंजरी टाइम (95वें मिनट) में उन्होंने दूसरा गोल दागकर अर्जेंटीना की 2-0 की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने राउंड ऑफ-32 में भी जगह बना ली। 38 साल के मेसी ने पिछले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। मौजूदा टूर्नामेंट में उनके सबसे ज्यादा 5 गोल हो गए हैं। मेसी के बाद 3 गोल के साथ जर्मनी के डेनिज उंडाव हैं।

39वें मिनट में अर्जेंटीना के थियागो अल्माडा ने बाईं ओर फाकुंडो मेडिना को पास दिया। मेडिना ने गेंद बॉक्स के किनारे खड़े मेसी तक पहुंचाई और कप्तान ने शानदार लेफ्ट फुटेड शॉट लगाकर गेंद को निचले कोने में पहुंचा दिया।

9वें मिनट में पेनल्टी चूके

मेसी के पास नौवें मिनट में ही रिकॉर्ड बनाने का मौका था। लॉटारो मार्टिनेज पर ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों के फाउल के बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी शॉट को पोस्ट के बाहर मार बैठे। इसके साथ ही वह वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा तीन पेनल्टी मिस करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। इससे पहले घाना के असामोआ ग्यान ने दो पेनल्टी मिस की थीं।

पेनल्टी चूकने के बाद 18वें मिनट में मेसी को एक और मौका मिला, लेकिन ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों ने शॉट ब्लॉक कर दिया। ऑस्ट्रिया के गोलकीपर डेविड अलाबा ने भी एक मौके पर गोललाइन के पास शानदार बचाव किया।

टीम में सूर्यांश शेडगे की एंट्री, मुश्ताक अली ट्रॉफी में रहा था 251.92 का स्ट्राइक रेट

चोट के कारण आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज से नीतीश रेड्डी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज के लिए ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और पार्ट-टाइम गेंदबाज सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। चोट के कारण नीतीश दोनों सीरीज से बाहर हो गए हैं।

टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम 1 से 19 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। सूर्यांश शेडगे हाल ही में श्रीलंका में खेली गई ट्राई-सीरीज में इंडिया-ए का हिस्सा थे। उन्होंने 5 मैचों में 147 रन बनाए। इसके अलावा गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 23 ओवर फेंके और महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते उन्हें सीनियर टीम में जगह मिली है। मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले सुर्यांश ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। मुंबई की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने लोअर-मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 251.92 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में शामिल किया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे के बाद हुई चोट

नीतीश को 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए तीसरे वनडे के बाद बाईं जांघ में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद BCCI की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की। मेडिकल असेसमेंट के बाद उन्हें कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर रहने और नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) में रिहैब करने की सलाह दी गई है। इसी वजह से वे आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे,, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव, सुर्यांश शेडगे।

मनोरंजन

'आवारापन 2' के बाद रूह कंपाने वाली फिल्म का किया एलान

हॉरर की दुनिया में लौट रहे हैं इमरान हाशमी

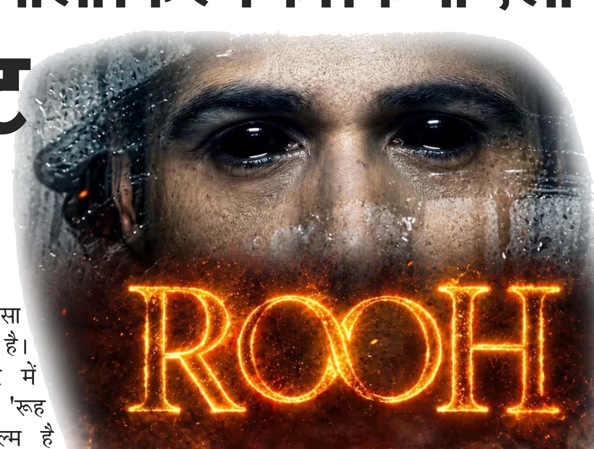

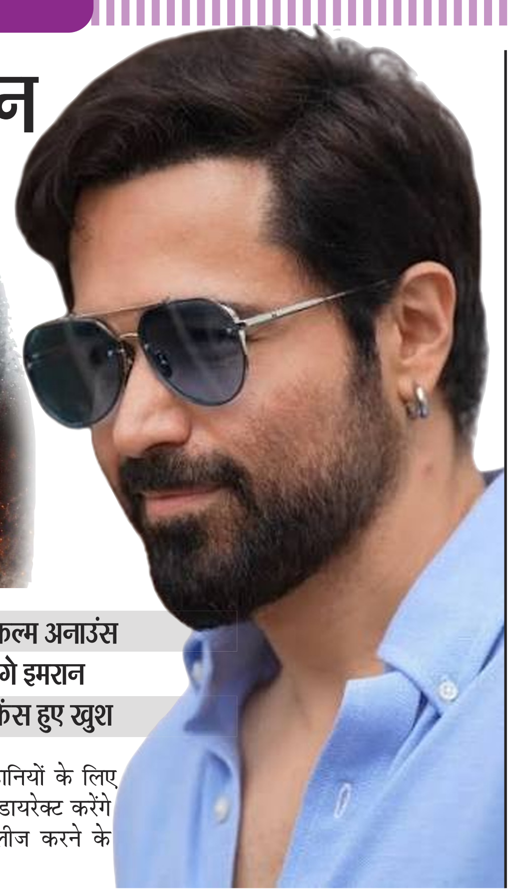

नई दिल्ली। इमरान हाशमी की फिल्मों और गानों का फैनबेस अलग है इसीलिए उन्होंने अपने फैंस के लिए एक जबरदस्त अनाउंसमेंट किया है। हालांकि इस बार रोमांस की जगह हॉरर का तड़का लगेगा और फिल्म के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

इमरान हाशमी एक ऐसे जॉनर में वापसी कर रहे हैं जिसके लिए उनके फैंस लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने म्यूजिकल हॉरर रूह का अनाउंसमेंट कर दिया है। वे इस फिल्म में लीड रोल निभाने वाले हैं। फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसे हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु में भी रिलीज किया जाएगा।

फिलहाल रूह (Rooh) का सिर्फ टीजर किया गया है लेकिन कहानी का खुलासा अभी नहीं हुआ है। फिल्म के बारे में इमरान ने कहा, 'रूह एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे बहुत प्रभावित किया है, क्योंकि इसमें नए जमाने की हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बहुत जबरदस्त मेल है'।

इमरान हाशमी अपनी अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 में नजर आने वाले हैं जिसका फैंस काफी इंतजार कर रहे हैं। यह एक म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म होगी। यह 2007 में रिलीज हुई फिल्म आवारापन का सीक्वल है जो 14 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी।

रूह को मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने लिखा है जो लुकाछिपी और छोरी जैसी कहानियों के लिए जाने जाते हैं। इसे मयंक शर्मा डायरेक्ट करेंगे और यह फिल्म 2027 में रिलीज करने के लिए शेड्यूल की गई है।

इमरान हाशमी ने की नई फिल्म अनाउंस
म्यूजिक हॉरर में नजर आएंगे इमरान
इमरान के अनाउंसमेंट से फैंस हुए खुश

20 साल पहले अमिताभ बच्चन ने फ्री में की थी भोजपुरी फिल्म

नई दिल्ली। 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन ने वैसे तो अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं लेकिन क्या आप जानते हैं 20 साल पहले बिग बी ने भोजपुरी सिनेमा में भी किस्मत आजमाई थी। इतना ही नहीं इस फिल्म के लिए अमिताभ ने एक भी रुपया फीस नहीं ली थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ हेमा मालिनी ने काम किया था। दोनों ने कई हिंदी फिल्मों में साथ काम किया है और दर्शकों को यह जोड़ी काफी पसंद भी आई है। वहीं जब ये जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में उतरी तो वहां भी हिट रही। फिल्म की कहानी एक होशियार और पढ़ी-लिखी गांव की महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गांव के ही एक छेड़छाड़ करने वाले लड़के को घायल करके उससे अपना बचाव करती है। बाद में, वह सबके सामने ठाकुर के अमीर बेटे रंजीत को खरी-खोटी सुनाती है। उसके निडर स्वभाव से प्रभावित होकर, ठाकुर उस लड़की से अपने बेटे रंजीत की शादी तय कर देते हैं। हालांकि, शादी के दिन वह लड़का उस पर बेवफाई का झूठा आरोप लगाता है। लेकिन इस बीच वह लड़का जिसको उसने घायल किया था, सच सामने लाता है, जिसके बाद वह ठाकुर के लड़के को छोड़कर उसी लड़के से शादी कर लेती है। लेकिन इसके बाद ठाकुर के परिवार के अंदर भड़की बदले की आग का वह कैसे सामना करती है यह फिल्म देखने पर पता चलेगा।

'मिर्जापुर को अमेरिका हम बनाएंगे'

मिर्जापुर की रिलीज से पहले सरप्राइज, इस बार 'गद्दी' का खेल होगा और खतरनाक

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के 3 सफल सीजन के बाद अब मेकर्स सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए कमर कस चुके हैं। ये खबर तो पहले ही सामने आ चुकी है कि एक्सेल एंटरटेनमेंट अपनी सफल सीरीज पर फिल्म लेकर आ रहा है, जिसमें कई नए चेहरे भी इस बार 'गद्दी' के लिए लड़ते हुए दिखाई देंगे।

अब पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा स्टारर 'मिर्जापुरः द मूवी' की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। हालांकि, उससे पहले मेकर्स ने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देकर उनकी एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। जबरदस्त एक्शन, रोंगटे खड़े करने वाले ट्विस्ट और आइकॉनिक दुश्मनी से भरपूर 'मिर्जापुर' को सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए लाने से पहले हाल ही में मेकर्स ने फैंस के लिए एक रिकैप शेयर किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साल 2018 से लेकर एक झलकी दर्शकों को दिखाई, ताकि उन्हें सिनेमाघरों में फिल्म को समझने में आसानी हो। इस रिकैप के एंड में उन्होंने एंड में लिखा, 2026 में मिर्जापुर का भौकाल अब बड़े पर्दे पर होगा। इस बार 'मिर्जापुरः द फिल्म में' जितेंद्र कुमार, रवि किशन, मोहित मलिक और सोनल चौहान जैसे सितारे नजर आए हैं। इस छोटे से रिकैप के सरप्राइज ने फैंस की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है।

एक यूजर ने लिखा, ₹बवाल चीज है...गुड्डू भैया मिर्जापुर को अमेरिका बनाएंगे अब।₹ दूसरे यूजर ने लिखा, मूवी को बड़े पर्दे पर रिलीज करते हुए अगर गालियों से किसी तरह का समझौता किया, तो देख लेना, वहीं म्यूजिक बंद कर देंगे। एक अन्य यूजर ने लिखा, भाई मुन्ना भैया की वापसी फाड़ होगी, मजा आएगा मूवी देखने में। मिर्जापुरः द मूवी 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।

सवाल पूछा गया- सलमान को 'लॉक अप' का एक्सपीरियंस है, उन्हें शो में लाएंगे?

'लॉक अप 2' शुरू होने से पहले रितेश हुए अनकम्फर्टेबल

नई दिल्ली। एकता कपूर के रियलिटी शो 'लॉक अप सीजन 2' के इवेंट के दौरान रितेश देशमुख से सलमान खान और संजय दत्त को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर रितेश ने जवाब देने से इनकार कर दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे पूछा गया, ₹क्योंकि आपके सबसे करीबी दोस्त सलमान खान और संजय दत्त हैं। उन्हें 'लॉक अप' का काफी एक्सपीरियंस है, तो क्या आप उन्हें शो में लाएंगे और उन्हें क्या सजा देंगे?₹ इस पर रितेश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं आपके सवाल का जवाब देकर उसे कोई सम्मान देना चाहूंगा।

इसके बाद सवाल पूछने वाले ने कहा कि उसने आसान सवाल पूछा है। इस पर रितेश ने जवाब दिया, ₹आपका सवाल है, मैं उसका जवाब नहीं देना चाहता। मेरा काम सिर्फ शो होस्ट करना है। एक होस्ट के तौर पर मुझे पहले से नहीं पता होता कि शो में कौन से कैदी या गेस्ट आने वाले हैं। जो भी गेस्ट आते हैं, हम उनसे बातचीत करते हैं। गौरतलब है कि भारत में नेटफ्लिक्स के पास बड़े सितारे, बड़े बजट और वैश्विक पहचान है। फिर भी वह अमेजन प्राइम, जियोहॉटस्टार और दूसरे ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसा सांस्कृतिक प्रभाव नहीं बना पाया। जहां दूसरे प्लेटफॉर्म ऐसे किरदार और कहानियां बनाने में सफल रहे, जो लोगों की बातचीत का हिस्सा बन गए, वहीं नेटफ्लिक्स के कई चर्चित प्रोजेक्ट रिलीज के कुछ समय बाद भुला दिए गए।

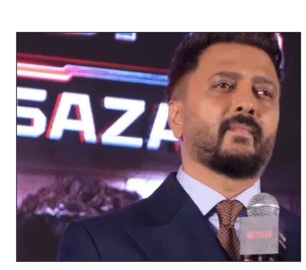

'लॉक अपः सच या सजा' 27 जून से शुरू होगा

चार साल बाद रियलिटी शो 'लॉक अप' का नया सीजन आ रहा है। मेकर्स ने इसका नाम 'लॉक अपः सच या सजा' रखा है। इस बार शो का प्रीमियर 27 जून 2026 को होगा। अब यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। पहले सीजन को एमएक्स प्लेयर और ऑल्ट बालाजी पर दिखाया गया था। इस बार होस्ट भी बदल गए हैं। पहले सीजन को कंगना रनोट ने होस्ट किया था, लेकिन नए सीजन में उनकी जगह फराह खान और रितेश देशमुख नजर आएंगे। दोनों शो में 'जेलर' की भूमिका निभाएंगे।

इसकी देखरेख हम अपने तरीके से करेंगे, अमेरिका पर भरोसा नहीं

होर्मुज अब पहले जैसा नहीं रहेगा : ईरान

दावा

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान के संसद अध्यक्ष और अमेरिका-ईरान बातचीत में अहम वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट अब युद्ध से पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। उन्होंने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग की देखरेख आगे ईरान अपने तरीके से करेगा, हालांकि अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन जारी रहेगा।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी प्रेस टीवी के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में अमेरिका के साथ तकनीकी बातचीत के पहले दौर के बाद गालिबाफ ने दोहराया कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालीबाफ ने कहा,हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, आज भी नहीं करते और भविष्य में भी सावधान रहने में ही समझदारी होगी।

- ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने युद्ध के दौरान यूरोपीय देशों के रुख की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अपनाई गई नीतियों की वजह से यूरोपीय देशों का असर कम हो गया है।
- अल जजीरा के मुताबिक बघई ने कहा कि यूरोपीय देशों के इस गैरजिम्मेदाराना रवैये से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी इमेज और स्थिति मजबूत होने के बजाय और कमजोर होगी।

ट्रम्प की चेतावनी- अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता तो फिर कार्रवाई होगी

स्विट्जरलैंड में बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता या सही तरीके से व्यवहार नहीं करता, तो वह फिर से कार्रवाई करने को तैयार हैं। अगर ईरान अपने वादो पर कायम नहीं रहता, तो मुझे जो करना होगा, मैं करूंगा।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के पास उन पर दबाव बनाने की कोई ताकत नहीं है। हालिया घटनाओं के बाद ईरान की सैन्य और आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो चुकी है।

साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए अगर लंबे समय तक सैन्य कार्रवाई करनी पड़े और उससे वैश्विक आर्थिक मंदी का खतरा भी पैदा हो, तब भी यह कदम ज्यादा महत्वपूर्ण है।

ईरान ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति के दावे को खारिज किया

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को दावा किया था कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षकों को दोबारा अपने परमाणु केंद्रों का निरीक्षण करने की अनुमति देगा। हालांकि, ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई बातचीत में परमाणु निरीक्षकों को लेकर कोई नया वादा नहीं किया गया है। परमाणु निरीक्षक ऐसे विशेषज्ञ होते हैं जो यह जांच करते हैं कि किसी देश का परमाणु कार्यक्रम सिर्फ ऊर्जा और अन्य शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल हो रहा है या नहीं। उनका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि परमाणु तकनीक का इस्तेमाल हथियार बनाने के लिए न किया जाए।

रिपोर्ट- होर्मुज स्ट्रेट से 3 दिन में 71 जहाज गुजरे

डेटा और एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के मुताबिक, शुक्रवार से रविवार के बीच होर्मुज स्ट्रेट से 71 जहाज गुजरे। इनमें सबसे ज्यादा 35 जहाज शनिवार को स्ट्रेट पार करते देखे गए। हालांकि, यह संख्या अब भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। युद्ध से पहले इस अहम समुद्री मार्ग से रोजाना औसतन 100 से 130 जहाज गुजरते थे।

ईरान बोला- समझौता तभी सफल होगा, जब वादे पूरी तरह निभाए जाएं

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि अमेरिका के साथ हुई बातचीत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों पक्ष अपने वादों को कितना पूरा करते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, "बातचीत तभी असरदार होगी, जब तय जिम्मेदारियों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। इस दिशा में प्रगति का आकलन भी इसी आधार पर होगा कि दोनों पक्ष अपने वादे कितनी ईमानदारी से निभाते हैं।" पजशकियान आज पाकिस्तान के आधिकारिक दौरे पर जाएंगे। इस दौरान उनकी पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात होने वाली है।

तकनीकी बातचीत के बाद आगे की वार्ता के लिए 4 टास्क ग्रुप बनाए जाएंगे

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत पूरी हो गई है। अब आगे की बातचीत के लिए चार अलग-अलग टास्क ग्रुप बनाए जाएंगे। इन ग्रुप्स का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौते का रास्ता तैयार करना है।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने बताया कि इन ग्रुप्स में प्रतिबंध हटाने, परमाणु कार्यक्रम, देश के रीकंस्ट्रक्शन-आर्थिक विकास, और समझौते के पालन-निगरानी जैसे मुद्दों पर काम किया जाएगा।

अमेरिका और कतर का ईरान को फ्रीज्ड फंड देने का प्लान

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और कतर मिलकर एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत ईरान को फंसी हुई अरबों डॉलर की रकम मानवीय कामों के लिए दी जा सकती है। इस प्रस्ताव के तहत ईरान को शुरुआती तौर पर करीब 6 अरब डॉलर तक की पहुंच कतर में रखे फंड से मिल सकती है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, संसद अध्यक्ष बाघेर गालिबाफ और ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अलबुसैदी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई। (फाइल फोटो)

ईरान बोला- युद्ध के दौरान यूरोप का रवैया गैरजिम्मेदाराना रहा

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने युद्ध के दौरान यूरोपीय देशों के रुख की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अपनाई गई नीतियों की वजह से यूरोपीय देशों का असर कम हो गया है। अल जजीरा के मुताबिक बघई ने कहा कि यूरोपीय देशों के इस गैरजिम्मेदाराना रवैये से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी इमेज और स्थिति मजबूत होने के बजाय और कमजोर होगी।

क्रेड एप के फाउंडर कुणाल वॉट्सएप के नए ग्लोबल हेड

विल कैथकार्ट एआई की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा ने क्रेड (CRED) एप के फाउंडर कुणाल शाह को वॉट्सएप का नया ग्लोबल हेड बनाया है। वे विल कैथकार्ट की जगह लेंगे, जो 7 साल से वॉट्सएप की कमान संभाल रहे थे। कैथकार्ट अब मेटा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़े नए प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगे।

सोमवार को यह जानकारी मेटा CEO मार्क जुकरबर्ग ने पोस्ट कर दी है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यह फैसला उस डील के तहत लिया है, जिसमें मेटा UPI और बिल पेमेंट एप क्रेड में करीब 8,550 करोड़ रुपए निवेश करेगी। इसके बदले मेटा को क्रेड में 20% की हिस्सेदारी मिलेगी। इसके बाद क्रेड कंपनी की कुल वैल्यूएशन बढ़कर 43,239 करोड़ हो जाएगी। मेटा के मुताबिक, कुणाल शाह के बॉस बनने के बाद वॉट्सएप का पूरा ध्यान दो बड़ी चीजों पर होगा।

कंपनी अब वॉट्सएप के जरिए ज्यादा पैसे कमाने की तैयारी में है। इसके लिए एप में विज्ञापन दिखाए जा सकते हैं और कुछ खास फीचर्स के लिए मंथली फीस यानी सब्सक्रिप्शन भी लाया जा सकता है।

वॉट्सएप के अंदर अलग-अलग तरह के 'AI एजेंट्स' (यानी कंप्यूटर प्रोग्राम या चैटबॉट्स) जोड़े जाएंगे। ये AI टूल्स आपके कई काम आसान करने और चैटिंग को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

वॉटरवेज लीजर टूरिज्म का आईपीओ आज से खुला

मुंबई, एजेंसी

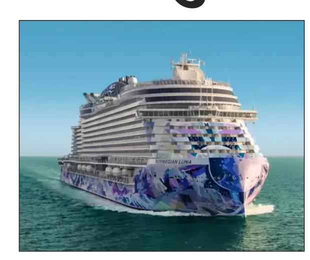

कॉर्डेलिया क्रूजेस ब्रांड नाम से देश की दिग्गज डोमेस्टिक ओशन क्रूज कंपनी चलाने वाली 'वॉटरवेज लीजर टूरिज्म' का IPO आज यानी मंगलवार, 23 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। निवेशक इस पब्लिक इश्यू में गुरुवार, 25 जून तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने इस IPO के लिए 769 से 808 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह पूरा इश्यू 585 करोड़ का फ्रेश इश्यू है, यानी इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (OFS) कंपोनेंट शामिल नहीं है। IPO के खुलने से पहले ही कंपनी ने एंकर इनवेस्टर्स के जरिए 263.25 करोड़ जुटा लिए हैं, जो इसमें इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की मजबूत दिलचस्पी को दिखाता है। इस IPO के लिए लॉट साइज 18 इक्विटी शेयर्स का तय किया गया है, यानी निवेशकों को कम से कम 18 शेयरों के लिए अप्लाई करना होगा। अपर प्राइस बैंड 808 के हिसाब से रिटेल निवेशकों को मिनिमम 14,544 का निवेश करना होगा। कंपनी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIBs) के लिए मैक्सिमम 75%, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (NIIs) के लिए मिनिमम 15% और रिटेल इनवेस्टर्स के लिए मिनिमम 10% हिस्सा रिजर्व रखा है।

- फ्रेश इश्यू से 585 करोड़ जुटाएगी, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,544

चांदी आज 10,566 सस्ता हुई इस महीने 36,015 गिरी

सोना 2,522 गिरा, जून में 10,748 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज 23 जून को गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 10,566 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है, जो सोमवार को 2.37 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,522 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 22 जून को यह 1.47 लाख पर था। सोना के दाम इस महीने 10,748 रुपए और चांदी के 36,015 रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी 3.63 लाख/किलो थी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को

मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,333 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 145 दिन में चांदी 1.59 लाख रुपए सस्ती हो गई है। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (AIDC) लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15% हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% की थी।

ब्रिटेन के नए पीएम बन सकते हैं ■ किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से मशहूर

टीवी सीरियल देखकर राजनीति में आए बर्नहैम

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह एंडी बर्नहैम नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बर्नहैम ने पीएम पद के लिए दावेदारी भी पेश कर दी है।

बर्नहैम 19 जून को मेकरफील्ड से उपचुनाव जीतकर सांसद बने थे। पार्टी में उनकी लोकप्रियता के चलते तभी से ही स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ गईं थी।

बर्नहैम का जन्म 1970 में लिवरपूल में हुआ था, लेकिन उनका बचपन चेशायर के कुलचेथ गांव में बीता। उनके पिता टेलीकॉम कंपनी BT में इंजीनियर थे, जबकि मां एक क्लिनिक में रिसेप्शनिस्ट थीं। दोनों लेबर पार्टी के समर्थक थे।

एंडी बर्नहैम का राजनीति में आने का फैसला किसी नेता के भाषण से नहीं, बल्कि एक टीवी ड्रामा देखकर हुआ था।

उन्होंने बताया है कि 14 साल की उम्र में BBC का फेमस सीरियल बॉयज फ्रॉम द ब्लैकस्टफ देखने के बाद उन्होंने लेबर पार्टी से जुड़ने का मन बनाया। यह ड्रामा लिवरपूल में बेरोजगारी और आर्थिक संकट की कहानी पर आधारित था।

आयरिश मूल के बर्नहैम की पहचान सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है। वह लिवरपूल के एवर्टन फुटबॉल क्लब के बड़े फैन हैं।एंडी बर्नहैम ने करियर की शुरुआत राजनीति से नहीं, बल्कि पत्रकारिता से की थी। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने टैंक वर्ल्ड और पैसेंजर वर्ल्ड मैनेजमेंट जैसी पत्रिकाओं में काम किया। 20 साल की उम्र में उन्हें राजनीति में पहला मौका मिला, जब वह लेबर सांसद टेसा जोवेल के रिसर्चर बने।

कैम्ब्रिज में पढ़ाई के दौरान नीदरलैंड की मैरी से प्यार हुआ

एंडी बर्नहैम ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई की, लेकिन वहां का माहौल उनके लिए आसान नहीं था। अपनी किताब 'हेड नॉर्थ' में उन्होंने लिखा है कि कई बार उन्हें लगता था कि वे वहां के नहीं हैं और खुद को एक 'बाहरी' की तरह महसूस करते थे। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि म्यूजिक में बढ़ी। मैनचेस्टर के इंडी बैंड्स- द स्मिथ्स और द स्टोन रोजेज के गानों ने उनकी सोच और व्यक्तित्व को काफी प्रभावित किया। बर्नहैम के मुताबिक, इसी म्यूजिक कल्चर ने उन्हें अपनी अलग पहचान दी। एंडी बर्नहैम की लव स्टोरी की शुरुआत कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से हुई थी। यहीं उनकी मुलाकात नीदरलैंड में जन्मीं मैरी-फ्रांस वैन हील से हुई। दोनों इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई के दौरान करीब आए और कई साल बाद 2000 में शादी कर ली। आज उनके तीन बच्चे हैं। बर्नहैम ने 2009 में द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआती दौर में वे परिवार बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे थे। उनका मानना था कि जिंदगी में पहले स्थिरता हासिल करना जरूरी है।

अलर्ट : एआई को लेकर फाइव आइज़ की बड़ी चेतावनी, साइबर रेजिलिएंस को तुरंत प्रायोरिटी देने की अपील

'सालों के बजाय महीनों में बदल जाएगा माहौल'

वॉशिंगटन, एजेंसी

इंटेलिजेंस अलायंस फाइव आइज ने एक अनोखी चेतावनी जारी की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अगली जेनरेशन सालों के बजाय कुछ ही महीनों में साइबर सिक्योरिटी के माहौल को पूरी तरह से बदल सकती है और सरकारों, बिजनेस और कॉर्पोरेट लीडर्स से साइबर रेजिलिएंस को तुरंत प्रायोरिटी देने की अपील की है। यह चेतावनी 'फाइव आइज इंटेलिजेंस ओवरसाइट एंड रिव्यू काउंसिल' (FIORC) के एक संयुक्त बयान में दी गई। यह काउंसिल ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका की इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियों का एक समूह है। किसी खास कंपनी या मॉडल का नाम लिए बिना फाइव आइज के बयान में चेतावनी दी गई कि 'फ्रंटियर AI सिस्टम' से मौजूदा इंडस्ट्री की उम्मीदों से कहीं आगे निकलने और आक्रामक व रक्षात्मक, दोनों तरह की साइबर क्षमताओं में बड़े बदलाव लाने की उम्मीद है।

किसी खास कंपनी या मॉडल का नहीं लिया नाम

यह बयान तब जारी किया गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने टेक्नोलॉजी कंपनी 'एन्थ्रोपिक' (Anthropic) द्वारा विकसित दो एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम तक विदेशी नागरिकों की पहुंच को सीमित करने का कदम उठाया। इस महीने की शुरुआत में घोषित यह फैसला अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की सलाह के बाद लिया गया।

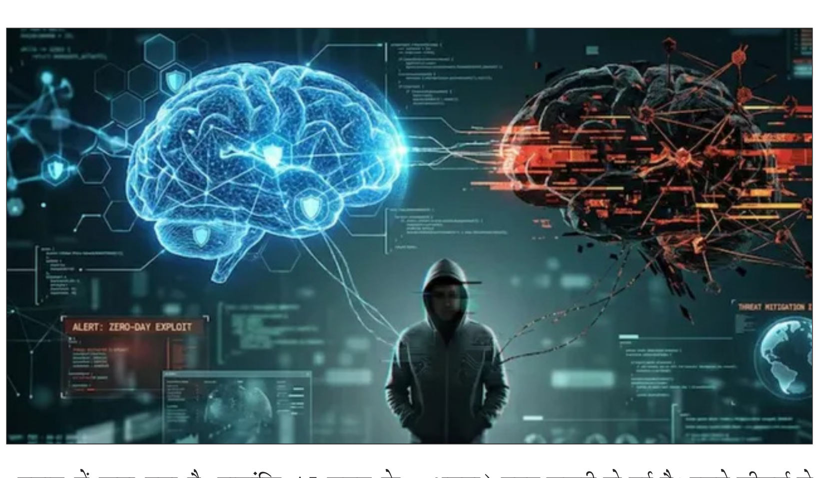

बयान में कहा गया है, हालांकि AI समय के साथ साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगा, लेकिन यह साइबर खतरों की रफ्तार, दायरे और जटिलता को भी बढ़ा देता है। उम्मीद है कि 'फ्रंटियर AI मॉडल' इंडस्ट्री की मौजूदा उम्मीदों से कहीं आगे निकल जाएंगे और साइबर हमले और बचाव, दोनों ही क्षमताओं में बुनियादी बदलाव लाएंगे। इसमें सालों नहीं, बल्कि महीनों का समय लगेगा। इस ग्रुप ने कहा कि बिजनेस, बाजार के भरोसे और लंबे समय तक आर्थिक वैल्यू बनाए रखने के लिए साइबर रेजिलिएंस (साइबर हमलों से उबरने की क्षमता) बहुत जरूरी हो गई है। इसने लीडर्स से कहा कि वे जोखिमों और जवाबदेही का आकलन करें, मुख्य साइबर सिक्योरिटी कंट्रोल को प्राथमिकता दें, साइबर सिक्योरिटी टीमों को पर्याप्त अधिकार और संसाधन दें और खतरों के बदलते स्वरूप के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहें। बयान में कहा गया, जरूरत साफ है। AI भविष्य की कोई चीज नहीं है, यह पहले से ही मौजूद है। फाइव आइज के बयान के मुताबिक, AI किसी कमजोरी का पता चलने और बुरे इरादे वाले लोगों द्वारा उसका फायदा उठाने के बीच के समय को कम कर रहा है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का डेटा डार्क वेब पर लीक

हैकर्स ने एपल-टेस्ला के सीक्रेट डिजाइन और 2 लाख फाइलें चुराईं

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। इस साइबर अटैक में हैकर्स ने डार्क वेब पर कंपनी की 2 लाख से ज्यादा सिक्रेंट फाइलें लीक कर दी हैं। इनमें टाटा के दो सबसे बड़े क्लाइंट्स- एपल और टेस्ला के कंपोनेंट डिजाइन, स्पेसिफिकेशन पेपर्स और सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स शामिल हैं। हालांकि, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने साफ किया है कि इस घटना से उनके बिजनेस ऑपरेशन्स पर कोई असर नहीं पड़ा है और सभी काम सामान्य रूप से चल रहे हैं। मनीकंट्रोल के मुताबिक, एपल की ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी टीम भी इस डेटा ब्रीच की जांच और इसका पूरा एनालिसिस कर रही है, ताकि इसके पीछे की मुख्य वजह का पता लगाया जा सके। वहीं एपल ने

यह भी कहा है कि फिलहाल इस लीक से बिजनेस-ऑपरेशन्स पर कोई खतरा नहीं है। साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर्स के मुताबिक, 'वर्ल्ड लीक्स' नाम के रैनसमवेयर ग्रुप ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सिस्टम से चुराया गया डेटा डार्क वेब पर पोस्ट किया है। इस ग्रुप ने पहले नाइकी के सिस्टम पर साइबर अटैक का दावा किया था। डार्क नेट पर पब्लिश की गई वेबसाइट के अनुसार, इस लीक में कुल 630 गीगाबाइट (GB) का डेटा शामिल है, जिसमें 2 लाख से ज्यादा फाइलें और फोल्डर्स हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676